■ आषाढ़ कृष्णा - 5 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 317 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 16-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सरकारी नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद और भेदभाव अब बीते दिनों की बात : योगी

6 धर्मोपदेशक, महान योद्धा व कुशल संगठकर्त्ता गुरु हरगोविंद सिंह

फर्स्ट टेक

सोनिया गांधी पेट संबंधी समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पेट संबंधी समस्याओं के कारण रविवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि गांधी (78) को रात करीब नौ बजे 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' विभाग में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि सोनिया की हालत स्थिर है और वह चिकित्सकों की एक टीम की निगरानी में हैं। कांग्रेस अध्यक्ष रह चुकीं सोनिया गांधी की नौ जून को सर गंगा राम अस्पताल में मेडिकल जांच हुई थी।

केरल हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतरा ब्रिटिश लड़ाकू विमान

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन की नौसेना के शक्तिशाली लड़ाकू विमान एफ-35 को शनिवार देर रात केरल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतरना पड़ा। उधर वायु सेना ने आपात स्थिति में इसे सामान्य घटना बताया है। सूत्रों के अनुसार ब्रिटिश नौसेना के इस लड़ाकू विमान ने हिन्द प्रशांत क्षेत्र में तैनात ब्रिटेन के एक विमान वाहक पोत से शनिवार रात नियमित उडान भरी थी लेकिन खराब मौसम और ईंधन की कमी के कारण विमान ने भारत में उतरने की अनुमति मांगी। भारतीय अधिकारियों ने इसे केरल के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति दे दी। अनुमति मिलने के बाद यह दस बजे के करीब केरल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। वायु सेना ने इसे आपात स्थिति में सामान्य घटना बताया है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के शव की शिनाख्त हुई

गांधीनगर/भाषा। अहमदाबाद में एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 की दुर्घटना के तीन दिन बाद अस्पताल के अधिकारियों ने रविवार को डीएनए मिलान के माध्यम से गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की पहचान की पुष्टि की। इस दुर्घटना में अब तक 270 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य सरकार ने सोमवार को राजकीय शोक की घोषणा की है और रूपाणी के सम्मान में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। रूपाणी का पार्थिव शरीर सोमवार सुबह उनके परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा। सरकार ने कहा, ''उनके पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए राजकोट ले जाया जाएगा।'' सरकार की ओर से जारी सूचना में कहा गया है, ''गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का 12 जून को निधन हो गया।

सूर्यास्त 16-06-2025	सूर्योदय 17-06-2025
6:47 बजे	5:54 बजे

BSE	NSE
81,118.60	24,718.60
(-573.38)	(-169.60)

सोना	चांदी
10,441 रु.	109,016 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेटी को मान दो

जहां पूज्य होती है बेटी,
वहीं दंश क्यों सहती है।
कापुरुषों के भय से हरदम,
सहमी-सहमी रहती है।
दुर्गा लक्ष्मी सरस्वती की,
जहां परंपरा महती है।
मान करें हर बेटी का हम,
मर्यादा यह कहती है।।

हर नागरिक को तीन साल के अंदर न्याय दिलाने की होगी व्यवस्था : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सरकार अगले पांच साल में ऐसी व्यवस्था बनाने जा रही है जिससे हर नागरिक को प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के अंदर न्याय मिल सके।

शाह ने यह भी दावा किया कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा।

गृह मंत्री ने उत्तर प्रदेश पुलिस में 60,244 नवनियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र वितरण के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ''भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, यह तीनों कानून.... मैं आज आप सबके सामने बोलकर जा रहा हूं कि पांच साल के अंदर देश में ऐसी व्यवस्था बन जाएगी कि कोई भी प्राथमिकी दर्ज हुई तो नागरिक को उच्चतम न्यायालय तक तीन साल के अंदर न्याय मिल जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''सीसीटीएनएस, आईसीजेएस और फॉरेंसिक साइंस की सारी सुविधाओं और तकनीक के आधार पर न्याय को आगे बढ़ाने की व्यवस्था करनी है।''

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 11 साल के कार्यकाल में देश सुरक्षित हुआ है। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़ी बात है कि मोदी जी के 11 साल में देश सुरक्षित हुआ है। देश के 11 राज्यों में नक्सलवाद हुआ करता था। अब 11 सालों में 11 राज्यों में से नक्सलवाद तीन जिलों में बचा है.... और मेरी बात याद रखना, 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।''

गृह मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तान और उसके द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को करारा जवाब दिये जाने का जिक्र करते हुए कहा, ''कांग्रेस के शासन में आए दिन आतंकवादी हमले होते थे। अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, जयपुर, कोयंबटूर और कश्मीर की तो बात ही छोड़ दें। मोदी जी के शासन में पाकिस्तान ने जब उरी में हमले का प्रयास किया तो हमने सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा में किया तो हमने एयर स्ट्राइक की और पहलगाम में किया तो ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों के मुख्यालय को चूर-चूर कर दिया।''

केदारनाथ से श्रद्धालुओं को ला रहा हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग/भाषा। उत्तराखंड में रविवार सुबह केदारनाथ से श्रद्धालुओं को लेकर आ रहे एक निजी कंपनी के हेलीकॉप्टर के गौरीकुंड के जंगलों में कम दृश्यता के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार पांच श्रद्धालुओं समेत सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जिसके बाद चार धामयात्रा मार्ग पर हेली सेवाओं को सोमवार तक के लिए बंद कर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर हेलीकॉप्टर दुर्घटना की जानकारी ली। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना और शोक व्यक्त किया। उन्होंने राज्य सरकार को केंद्र की तरफ से हर संभव सहयोग का आवश्वासन दिया।

तीस अप्रैल को तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से चारधाम यात्रा मार्ग पर यह पांचवां हेलीकॉप्टर हादसा है और यह सबसे दुखद हवाई दुर्घटनाओं में से एक अहमदाबाद विमान दुर्घटना के केवल तीन दिन बाद हुआ है। अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों के अलावा कई अन्य लोग मारे गए थे।

वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को 62 रनों से हराया

ब्रेडी/एजेन्सी। एविन लुइस (91), कप्तान साई होप (51) और केसी कार्टी (नाबाद 49) की तूफानी पारियों के बाद अकील हुसैन (तीन विकेट) और जेसन होल्डर (दो विकेट) की दमदार गेंदबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने रविवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में आयरलैंड को 62 रनों से हरा दिया।

इजराइल और ईरान ने तीसरे दिन भी हमले किए, परमाणु वार्ता रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। इजराइल ने रविवार को तीसरे दिन भी ईरान में हवाई हमले किए और इससे भी अधिक जोरदार हमले की धमकी दी। वहीं, ईरान ने भी इजराइल पर मिसाइलें दागना जारी रखा, जिसमें से कुछ (मिसाइलें) इजराइली वायु रक्षा प्रणाली को चकमा देकर देश के मध्य इलाके में इमारतों पर गिरीं।

इस बीच, ईरान और अमेरिका के बीच ओमान में होने वाली परमाणु वार्ता रद्द कर दी गई।

शुक्रवार को इजराइल द्वारा ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर अचानक की गई बमबारी में कई शीर्ष जनरलों और परमाणु वैज्ञानिकों के मारे जाने के बाद क्षेत्र में एक लंबे संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है।

ईरान ने कहा कि इजराइल ने उसकी दो तेल रिफाइनरी पर हमला किया है।

ईरान की राजधानी तेहरान में अपराह्न लगभग साढ़े तीन बजे विस्फोट हुए। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड से जुड़ी अर्द्ध-सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि एक हमला वली-ए-असर इलाके में हुआ और दूसरा हमला अन्य शहर में हुआ।

दूसरी तरफ, शाम चार बजे के आसपास फिर से पूरे इजराइल में सायरन बजने लगे, जिससे चेतावनी मिली कि लड़ाई शुरू होने के बाद से ईरान का यह पहला दिन का हमला होगा। हालांकि, हमले में किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

ईरान और इजराइल को समझौता करना चाहिए : ट्रंप

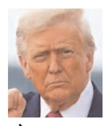

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि वह ईरान और इजराइल के बीच समझौता करा सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने अन्य कट्टर दुश्मनों के बीच करवाया था। ट्रंप ने एक बार फिर अपना यह दावा दोहराया कि उन्होंने पिछले महीने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को ''व्यापार का इस्तेमाल करके'' रुकवाया था। 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि ईरान-इजराइल मुद्दे पर ''अब कई कॉल की जा रही हैं और बैठकें हो रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''ईरान और इजराइल को एक समझौता करना चाहिए, और वे यह करेंगे, ठीक उसी तरह जैसा कि मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच कराया था।

॥श्री हरि॥

बारहवीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म सन् 1931

स्वर्गवास 16 जून 2013

श्री रामचन्द्रजी भूतड़ा(मामाजी)

सादा जीवन, उच्च विचार, संस्कारों के आप धनी थे।
सादगी, समता, सरलता और विनय गुण भंडारी थे।।
आपका श्रेष्ठ जीवन ही 'आदर्श' हैं अब हमारा।
अनुसरण करेंगे जीवन भर, संकल्प लेते हैं दुबारा।।
12वीं पुण्यतिथि प्रसंग पर करते हैं, सादर श्रद्धार्पण।
गुणों के हम हैं पुजारी, विनय से करते हैं अभिवंदन।।

श्रद्धावनत्

महेन्द्र-मधु, अशोक-रेणु, हर्ष-रिया,
प्रेरणा, अनयिका एवं समस्त भूतड़ा परिवार
तृप्ति-श्रीधरजी मानधन्या

M/S. MAHESHWARI SILK STORE
7 Paras Market, 10 Appajirao Lane, C.T. Street Cross,
Bangalore 560 002, Mob. 98452 12011/99001 79764

सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करना हुआ अब और भी आसान...

आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप का उपयोग करके कभी भी, कहीं भी सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश करें, जिनमें शामिल हैं

- खज़ाना बिल
- सॉवरेन स्वर्ण बॉण्ड
- अस्थिर दर बचत बॉण्ड 2020

आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप को डाउनलोड करने के लिए स्कैन करें

रसिका राजे
भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और
आरबीआई कर्मचारी

आरबीआई रिटेल डायरेक्ट मोबाइल ऐप के फायदे:

- सरकारी प्रतिभूति बाज़ार तक आसान पहुंच
- तुरंत लॉगइन, सरल यूज़र इंटरफेस और आसान नेविगेशन
- भुगतान के कई विकल्प - नेट बैंकिंग, UPI और NACH
- परिपक्वता पर गारंटीकृत लाभ, शून्य ब्रोकरेज और अन्य कोई शुल्क नहीं

अधिक जानकारी के लिए, https://rbiretaildirect.org.in पर विजिट करें
हमें यहाँ लिखें: support@rbiretaildirect.org.in

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारत आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा, पर नौकरी, सुधारों के मोर्चे पर स्थिति अच्छी नहीं : सुब्बाराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने कहा है कि नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल के दौरान मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय स्थिति और महंगाई दर में नरमी के साथ भारत आज आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, लेकिन अच्छी नौकरी सृजित करने, विनिर्माण और अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढाने के मोर्चे पर स्थिति अच्छी नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में 2014 में जब राष्ट्रीयज जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार सत्ता में आई थी, उस समय आर्थिक वृद्धि धीमी थी, महंगाई बढ़ी हुई थी, डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर अस्थिर थी और राजकोषीय तथा चालू खाते का घाटा ऊंचा बना हुआ था तथा फंसे कर्ज की समस्या थी।

सुब्बाराव ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''आज, 11 साल बाद, आर्थिक वृद्धि मजबूत है, मुद्रास्फीति नरम हुई है, रुपया स्थिर है, बाह्य क्षेत्र मजबूती दिखा रहा है, राजकोषीय स्थिति बेहतर है और फंसे कर्ज की समस्या समाप्त हो गयी है। हालांकि, शुल्क बाधाओं और बिगड़ते भू-राजनीतिक तनावों से कई वैश्विक बाधाएं और अनिश्चितताएं उत्पन्न हुई हैं, बावजूद इसके भारत एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है जो महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''पिछले 11 वर्षों में यह एक उल्लेखनीय बदलाव है, यह खुशी का कारण है, लेकिन जश्न मनाने का नहीं...। अन्य बातों के साथ हम रोजगार, विनिर्माण और आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने में

विफल रहे हैं।''

एक सवाल के जवाब में सुब्बाराव ने कहा, ''निश्चित रूप से जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) बढ़ रही है, और हम आगे बढ़े हैं। आज हम चार ट्रिलियन (4,000 अरब डॉलर) की अर्थव्यवस्था हैं। जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी तब हम 11वें स्थान पर थे। आज हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम इस साल चौथी सबसे बड़ी और 2027 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन जीडीपी सिर्फ एक पैमाना है। आप जानते हैं, हम एक बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, हमारी आबादी 1.4 अरब है। लेकिन सचाई है कि प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से, हम अब भी एक गरीब देश हैं, जो किसी देश की बेहतरी का एक मापदंड है। प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,800 डॉलर (2,878 डॉलर) है, हम इस मामले में 136वें (196 देशों में) स्थान पर हैं। हम ब्रिक्स में सबसे गरीब हैं। हम जी-20 में सबसे गरीब हैं। और हमारे पास दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक गरीब लोग हैं।''

उल्लेखनीय है कि अर्थव्यवस्था का प्रमुख पैमाना आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति होती है। पिछले 11 साल में अगर मोदी सरकार के कार्यकाल में औसत वास्तविक वृद्धि दर (कोविड महामारी 2020-21 में आर्थिक वृद्धि में गिरावट के बावजूद) 6.2 प्रतिशत, जबकि मुद्रास्फीति पांच प्रतिशत रही है। वहीं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के 10 साल (2004-14) में वृद्धि दर औसतन 6.7 प्रतिशत (नई श्रृंखला के तहत) और मुद्रास्फीति लगभग 8.1% थी। रोजगार की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर वर्ष 2008 से 2013 तक आरबीआई के गवर्नर रहे सुब्बाराव ने कहा, ''...पिछले 11 साल में रोजगार में कोई सुधार नहीं हुआ है। नौकरियां तो सृजित हो रही हैं, लेकिन वे असंगठित क्षेत्र में अनुत्पादक, कम उत्पादकता वाली, अंशकालिक नौकरियां हैं। संगठित क्षेत्र में पर्याप्त उत्पादक नौकरियां सृजित नहीं हो पा रही हैं, और यह मौजूदा सरकार की सबसे बड़ी विफलताओं में से एक है।''

आंध्र के मुख्यमंत्री का केंद्र से तंबाकू किसानों की मदद करने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

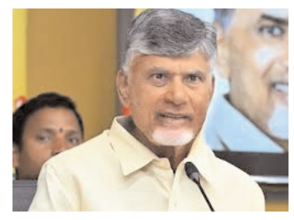

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को राज्य के कृषि, व्यापार और निर्यात क्षेत्रों को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

नायडू ने एचडी बर्ले किस्म की तंबाकू खरीदने के लिए तंबाकू बोर्ड के माध्यम से 150 करोड़ रुपए की सहायता मांगी, क्योंकि राज्य तंबाकू की कीमतों में गिरावट के कारण 300 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। नायडू और गोयल के बीच बैठक पर एक आधिकारिक बयान में कहा गया, हम 300 करोड़ रुपए की लागत से दो करोड़ किलोग्राम तंबाकू खरीद रहे हैं। केंद्र को 150 करोड़ रुपए का योगदान देकर इस बोझ को साझा करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पाम तेल पर आयात शुल्क में कटौती से कीमतें कम हो रही हैं, जिससे किसानों पर बुरा असर पड़ रहा है और राष्ट्रीय खाद्य तेल लक्ष्य के लिए चुनौती खड़ी हो रही है। नायडू ने अमेरिका द्वारा समुद्री खाद्य पदार्थों पर 27 प्रतिशत शुल्क लगाने का मुद्दा भी उठाया, जिससे आठ लाख किसान प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने आम के गूदे पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने की मांग की। उन्होंने गोयल से समुद्री खाद्य पदार्थों पर शुल्क के बारे में अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने का आग्रह किया और दोहराया कि आम के गूदे पर जीएसटी का मुद्दा केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष उठाया गया था।

प्राचीन 'गुरु-शिष्य परंपरा' के अनुरूप भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र स्थापित करेगा आईपी विश्वविद्यालय

नई दिल्ली/भाषा। गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) ने भारत के पारंपरिक शैक्षिक मूल्यों और ज्ञान की विरासत को पुनर्जीवित करने पर केंद्रित एक नए केंद्र की स्थापना की घोषणा की है। जीजीएसआईपीयू के एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 'सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन' (सीआईकेटीएसआई) नामक इस केंद्र की स्थापना विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में की जाएगी।

बयान में कहा गया है कि इसका उद्देश्य प्राचीन 'गुरु-शिष्य परंपरा' के साथ निकटता से जुड़ना है। बयान के अनुसार, यह एक परंपरा है जो अनुभवात्मक शिक्षा, मार्गदर्शन और समग्र विकास पर आधारित है। जीजीएसआईपीयू के कुलपति महेश वर्मा ने कहा, यह पहल भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा और अनुसंधान के साथ जोड़ने की दृष्टि पर आधारित है। यह गुरु-शिष्य परंपरा की मूल भावना को प्रतिबिंबित करती है, जो हमेशा मार्गदर्शन, अनुभवात्मक शिक्षण और चरित्र निर्माण पर जोर देती रही है।

मान केवल ''मुखौटा'', पंजाब सरकार आप के ''खारिज किए गए नेता'' चला रहे हैं : रेखा गुप्ता

चंडीगढ़/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को आरोप लगाया कि पंजाब में उनके समकक्ष भगवंत मान केवल ''मुखौटा'' हैं क्योंकि उनकी सरकार आम आदमी पार्टी (आप) के वे नेता चला रहे हैं जिन्हें राष्ट्रीय राजधानी की जनता ने ''खारिज'' कर दिया है। मुख्यमंत्री लुधियाना पश्चिम सीट पर 19 जून को होने वाले उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार जीवन गुप्ता के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए लुधियाना में थीं।

इस दौरान गुप्ता ने संवाददाताओं से बातचीत में आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राज्य में नशे का खतरा व्याप्त है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि आप के शासन में ''पंजाब को चिट्टा एक्सप्रेस में बदल दिया गया है''। गुप्ता ने कहा कि लुधियाना पश्चिम के लोग समझदारी से वोट करेंगे और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार को विजयी बनाएंगे। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के साथ साथ पंजाब के लोगों से ''बड़े बड़े वादे'' किए थे लेकिन अब वह उजागर हो चुके हैं।

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर संचालन के लिए सख्त एसओपी बनेगी: मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में हेलीकॉप्टर संचालन के लिए सख्त मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। केदारनाथ में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कुछ ही घंटों बाद मुख्यमंत्री ने यह निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को सख्त एसओपी बनाने के लिए निर्देशित किया जिसमें हेलीकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की पूर्ण जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य हो। उन्होंने इसके लिए मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन को तकनीकी विशेषज्ञों की समिति गठित करने के निर्देश दिए जो हेली सेवा के संचालन के सभी तकनीकी व सुरक्षा पहलुओं की गहन समीक्षा करने के बाद एसओपी तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समिति सुनिश्चित करेगी कि हेली सेवाओं का संचालन पूरी तरह से सुरक्षित, पारदर्शी और निर्धारित मानकों के अनुसार हो। राज्य में पूर्व में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति, रविवार को हुई दुर्घटना के भी हर पहलू की गहनता से जांच कर अपनी रिपोर्ट देगी। धामी ने कहा कि यह समिति प्रत्येक हादसे के कारणों की गहराई से जांच करेगी और दोषी व्यक्तियों या संस्थाओं की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की सिफारिश करेगी। राज्य में तीर्थाटन, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में हेली सेवा को महत्वपूर्ण बताते हुए धामी ने कहा कि इनमें सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

सीलमपुर में कभी फल-फूल रहा था कबाड़ कारोबार, अब मंदी की मार झेल रहे लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली के न्यू सीलमपुर की घुमावदार, भीड़भाड़ वाली गलियों में कभी काफी चहल-पहल हुआ करती थी, लेकिन अब यहां खामोशी पसरी है।

यहां हर घर कबाड़ के कारोबार में लगा हुआ है। पुराने कंप्यूटर, फोन, फ्रिज और उनके अंदरूनी हिस्सों को तोड़कर अलग करके यहां बेचा जाता है। हालांकि इस काम में अब पहले जैसी बात नहीं है। भारत में 'ई-वेस्ट' यानी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कबाड़ के लिए एक नीति तैयार की जा रही है, ऐसे में प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता बढ़ रही है। इस सक्रियता के चलते सीलमपुर समेत इस तरह के कबाड़ के लिए पहचाने जाने वाले इलाकों में कारोबार मंदा पड़ता जा रहा है। यह कारोबार सीलमपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि लोनी, मुरादाबाद, मेरठ और छोटे शहरों में फैला हुआ है। पर्यावरण से जुड़ी एक गैर सरकारी संस्था 'टॉक्सिक्स लिंक' के अधिकारी विनोद ने कहा, ''वास्तव में कारोबार में कमी नहीं आई है। यह कारोबार अभी भी चल रहा है, लेकिन दिल्ली में अब यह उतना दिखाई नहीं देता।'' उन्होंने कहा, ''दो चीजें हो रही हैं - बाजार बाहर जा रहा है, और इस कारोबार को कुछ हद तक संगठित तरीके से किया जा रहा है, लेकिन अनौपचारिक तरीका अभी भी हावी है।'' हाल ही में न्यू सीलमपुर झुग्गी बस्ती के दौरे के दौरान 'पीटीआई-भाषा' की संवाददाता ने देखा कि कभी चहल-पहल वाले इस कबाड़ बाजार में अब खामोशी पसरी है।

जब संवाददाता झुग्गी बस्ती की संकरी गलियों से गुजरीं तो देखा कि लगभग हर परिवार ई-वेस्ट अलग करने में लगा हुआ था। छह फुट चौड़े और इतने ही फुट लंबे एक मंद रोशनी वाले कमरे में, 50 वर्षीय सलीमा तारों के ढेर के बीच झुकी हुई बैठी हैं। गठिया के कारण मुड़ चुकीं उनकी उंगलियां सुबह से रात तक तारों को छांटती रहती हैं, और उन्हें केवल टिन की छत से लटकते कम-वाट के बल्ब की मदद से रोशनी मिलती है। दस किलो तार को अलग करने के लिए उन्हें 50 रुपए मिलते हैं - अगर उन्हें तांबे के टुकड़े मिल जाएं तो थोड़ा ज़्यादा मेहनताना मिलता है।

सलीमा तीन बच्चों की मां हैं और घर में अकेली कमाने वाली हैं। उन्होंने बताया कि उनका पति शराब का आदी था और कई साल से लापता है। सबसे बड़ा बेटा चोरी के आरोप में एक साल से अधिक समय से तिहाड़ जेल में बंद है, और मामले की सुनवाई जारी है। सलीमा कहती हैं, ''मैं यह काम 30 साल से कर रही हूं। मैंने इसी में जिंदगी गुजार दी है।'' सलीमा से अगले मकान में 19 वर्षीय शाहिदा अपने एक कमरे के मकान के बाहर बैठी हैं। शाहिदा की एक महीने पहले शादी हुई थी और उनके हाथों की मेंहदी अभी नहीं उतरी है। मुरादाबाद में विवाह होने के कारण, वह इस काम से अनजान नहीं हैं। अपने परिवार के लिए नाश्ता बनाने के बाद, वह पति और ससुराल वालों के साथ मिलकर तारों को अलग करने का काम करती हैं।

पाला बदलने के लिए धन के जाल में न फंसे पार्टी कार्यकर्ता : उद्धव ठाकरे

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पाला बदलने के लिए पैसों के प्रलोभन में न आएं और मुंबई की खातिर एकजुट रहें। यह टिप्पणी महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) समेत विभिन्न स्थानीय और नगर निकायों के चुनावों से पहले आई है। संभवत: इस वर्ष के आखिर में इन निकायों के चुनाव हो सकते हैं। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विद्रोह होने के बाद शिवसेना विभाजित हो गयी थी, परिणामस्वरूप ठाकरे के नेतृत्व वाली तत्कालीन महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई। पार्टी के एक सूत्र ने बताया कि ठाकरे ने रविवार को मुंबई में शिवसेना (उबाठा) शाखा प्रमुखों की बंद कमरे में हुई बैठक को संबोधित किया। सूत्र ने ठाकरे के हवाले से कहा कि शाखा प्रमुख और निचले स्तर के अन्य कार्यकर्ता पार्टी की मुख्य ताकत हैं तथा उनकी एकता एवं ताकत के कारण ही संगठन ने अतीत में मुंबई में चुनाव जीते हैं।

शनि शिंगणापुर मंदिर न्यास ने 114 मुस्लिम कर्मचारियों सहित 167 कर्मियों को किया बर्खास्त

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में स्थित शनि शिंगणापुर मंदिर न्यास ने अनुशासन का उल्लंघन करने और अनियमितताओं का हवाला देते हुए 167 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है, जिनमें 114 मुस्लिम कर्मी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस प्रसिद्ध मंदिर का प्रबंधन करने वाले न्यास के एक अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय पूरी तरह से प्रशासनिक आधार पर लिया गया है, क्योंकि इन कर्मचारियों को कुछ सेवा नियमों और अनुशासनात्मक मानदंडों का उल्लंघन करते पाया गया था। यह कदम, हाल ही में हिंदू संगठनों द्वारा मंदिर परिसर में मुस्लिम कर्मचारियों की मौजूदगी का विरोध करने के बाद उठाया गया है। इन संगठनों ने दावा किया था कि वहां गैर-हिंदू कर्मचारियों को रखना अस्वीकार्य है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हिंदू समुदाय ने चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो वे 14 जून को मंदिर के बाहर एक बड़ा विरोध मार्च निकालेंगे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: रूपाणी के पार्थिव शरीर की पहचान हुई, जांच में आई तेजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के पार्थिव शरीर की पहचान डीएनए परीक्षण के जरिए कर ली गई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस बीच, अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच तेज हो गई है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) के नेतृत्व में केंद्रीय और राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियां हवाई दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए दुर्घटना स्थल पर हैं। अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले 32 लोगों की शिनाख्त अब तक डीएनए परीक्षण के जरिए कर ली गई है तथा 14 लोगों के शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। विमान हादसे के तीन दिन बाद डीएनए परीक्षण के ज़रिए मृतकों की पहचान की प्रक्रिया तेज़ होने के बीच अतिरिक्त सिविल अधीक्षक डॉक्टर रजनीश पटेल ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। रूपाणी उन 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में शामिल हैं, जो इस भीषण दुर्घटना में मारे गए। विमान में सवार 242 लोगों में से एक व्यक्ति चमत्कारिक रूप से बच गया था।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने यहां संवाददाताओं को बताया, ''राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के डीएनए नमूने आज पूर्वाह्न 11.10 बजे (उनके परिवार के सदस्यों के डीएनए नमूने से) मेल खा गए।''

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रूपाणी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें डीएनए मिलान के बारे में जानकारी दी।

शिवपुरी में 80 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे पुल का हिस्सा गिरा, 6 मजदूर घायल

शिवपुरी (मप्र) /भाषा। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह जाने से छह मजदूर घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार रात पोहरी राजमार्ग पर एक बस स्टैंड और रेलवे लेवल क्रॉसिंग के पास हुई। जो हिस्सा ढहा है, उसके नीचे कोई भी काम नहीं कर रहा था, इस कारण लोग हताहत नहीं हुए। छह घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वे पुल पर ढलाई का काम कर रहे थे। इसे 80 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहा है।

पुणे जिले में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का पुल ढहा, दो लोगों की मौत, 32 घायल

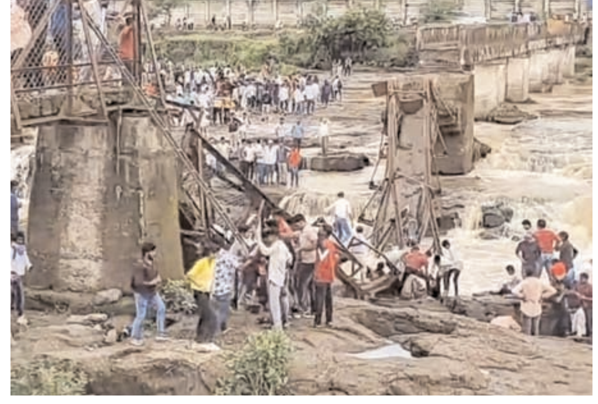

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे के मावल तहसील में इंद्रायणी नदी पर बना लोहे का एक पुल रविवार दोपहर ढह जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गये। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि हादसे में छह लोगों को बताया गया है जबकि कुछ लोग बह गये।

तालेगांव दाभाडे पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना कुंदमाला इलाके में हुई, जहां पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके कारण नदी का बहाव तेज था। उन्होंने बताया कि जब पुल ढहा, तब बारिश नहीं हो रही थी। उन्होंने कहा, ''प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि कुछ के बह जाने की आशंका है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पांच से छह लोगों को बचा लिया गया है और उन्हें जांच के लिए अस्पताल भेजा गया है।

अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम और अग्निशमन विभाग सहित अन्य विशेष इकाइयों के कर्मी घटनास्थल पर हैं। रविवार होने के कारण घटनास्थल पर काफी भीड़ थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस इलाके में पिकनिक मनाने वालों की काफी भीड़ रहती है।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: डीएनए परीक्षण से 47 मृतकों की शिनाख्त हुई

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले 47 लोगों की शिनाख्त डीएनए परीक्षण के जरिए कर ली गई है और अब तक 24 लोगों के शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। चूंकि अधिकतर शव इतने जल गए हैं कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही है, इसलिए अधिकारी इस भयावह त्रासदी में मारे गए लोगों की पहचान करने के लिए डीएनए परीक्षण करा रहे हैं।

अतिरिक्त सिविल अधीक्षक डॉक्टर रजनीश पटेल ने संवाददाताओं को बताया, ''अब तक 47 डीएनए नमूने मेल खा चुके हैं और 24 शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। ये लोग राजस्थान और गुजरात के विभिन्न हिस्सों से ताल्लुक रखते थे।'' लंदन जा रहे विमान बोइंग 787-8 (एआई 171) में यात्रियों और चालक दल के सदस्यों सहित 242 लोग सवार थे, जिनमें से 241 की मौत हो गई। विमान में सवार लोगों में से केवल एक व्यक्ति ही दुर्घटना में बच पाया। घटना में मेडिकल कॉलेज के पांच छात्रों समेत 29 अन्य की भी मौत हो गई। बृहस्पतिवार को अपराह्न 1:39 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान मेघाणीनगर में एक मेडिकल कॉलेज के परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना का वीडियो बनाने वाला किशोर पढ़ाई शुरू करने के लिए घर लौटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना को अनजाने में मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लेने के बाद से व्यथित आर्यन असारी मनोवैज्ञानिक आघात से उबरने के लिए 12वीं कक्षा की पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के वास्ते अरावली जिले में अपने पैतृक गांव लौट गया। शामलाजी तालुका का रहने वाला 17 वर्षीय आर्यन बृहस्पतिवार को किताबें खरीदने के लिए अहमदाबाद पहुंचा था और इसी दिन ये विमान हादसा हुआ।

आर्यन ने बताया, ''मैंने पिछले महीने 11वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की और 12वीं में दाखिला ले लिया। मैं 12 जून को किताबें खरीदने के लिए अहमदाबाद आया था। मैं पिता के किराए के घर पर 12:30 बजे पहुंचा।'' आर्यन ने बताया कि वह काफी नीचे उड़ रहे विमान को देखकर हतप्रभ हो गए थे। आर्यन सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नजदीक मेघाणीनगर इलाके में एक घर की छत पर थे, जब उन्होंने लंदन जा रहे विमान को उड़ान भरने के तुरंत बाद एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त होते देखा। दुर्घटना में विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की जान चली गई, कई अन्य लोग भी हताहत हुए। आर्यन ने कहा, ''मैं 12:30 बजे पिता के किराये के घर पहुंचा था और जब मुझे पता चला कि विमान काफी पास से ऊपर उड़ते हैं, तो मैं छत पर चला गया। मैं उत्सुकता से कम ऊंचाई पर उड़ रहे विमान का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था, क्योंकि मैंने पहले कभी किसी विमान को इतनी नजदीक से नहीं देखा था।''

कुमारस्वामी के खिलाफ बदनामी का अभियान चलाकर कोई भी सफल नहीं हुआ : एचडी देवेगौड़ा

'प्रधानमंत्री मोदी का कोई मुकाबला नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि कुछ लोग केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ व्यवस्थित रूप से झूठी कहानियां फैला रहे हैं। इन बदनामी के अभियानों में कोई भी कभी सफल नहीं हुआ है और कोई भी सफल नहीं होगा। वे रविवार को बेंगलूरु के जेडीएस के राज्य कार्यालय जे.पी. भवन में युवा जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी के नेतृत्व में आयोजित राज्यव्यापी जेडीएस दौरे और 'मिस्ड कॉल' सदस्यता अभियान के शुभारंभ पर बोल रहे थे।

देवेगौड़ा ने कहा, कुछ लोग कुमारस्वामी को अनावश्यक रूप से परेशान कर रहे हैं। वे बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं और बिना किसी सबूत के उन्हें भ्रष्ट कह रहे हैं। एक भी आरोप साबित नहीं हुआ है और न ही कभी साबित होगा। उन्होंने आगे कहा, कुछ लोग कुमारस्वामी को बर्दाश्त नहीं कर सकते। वे उनके व्यक्तित्व और लोगों से मिलने वाले प्यार को पचा नहीं सकते। देश में किसी और ने किसानों के कर्ज को उनके जैसा माफ नहीं किया है। देवेगौड़ा के बाद जेडीएस नहीं बचेगी कहने वाले को कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री गौड़ा ने पलटवार करते हुए कहा कभी मत भूलो, असफलता सफलता की नींव रखती है। सिर्फ़ इसलिए कि हम हार गए इसका मतलब यह नहीं है कि हम हौसला खो देंगे। इस उम्र में मुझे सिर्फ़ अपने पैरों की परेशानी है, दिमाग की नहीं। मैंने अपनी याददाश्त नहीं खोई है और न ही खोऊंगा। जो लोग इसके विपरीत सोचते हैं, उन्हें यह बात साफ़-साफ़ सुनना चाहिए। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा, मैंने कभी किसी को अपने घर से तिरस्कार के साथ नहीं भगाया, न ही कभी भगाऊंगा। किसी का भी, कभी भी स्वागत है। आपको जहां भी जरूरत हो, मुझे बुलाइए, मैं आऊंगा। चन्नपटना उपचुनाव में मैंने 32 जनसभाओं को संबोधित किया। लेकिन मैं यहां यह शिकायत करने नहीं आया हूं कि हम क्यों हारे या लोगों ने हमें क्यों छोड़ दिया। एक हार हमें हिला नहीं सकती। निराशा का कोई सवाल ही नहीं है। हम फिर से उठ खड़े होंगे, हमारी पार्टी में वह ताकत है। आप इस पार्टी को खत्म नहीं कर सकते मोरारजी देसाई ने मुझे यह पार्टी सौंपी। जनता दल में चाहे जितनी भी फूट क्यों न पड़े, यह पार्टी बची हुई है और मेरे जाने के बाद भी बची रहेगी। मेरे शब्दों पर ध्यान दें: कोई भी ऐसा व्यक्ति कभी पैदा नहीं

होगा जो इस पार्टी को खत्म कर सके, देवेगौड़ा ने दृढ़ता से कहा। जेडीएस कोई पारिवारिक पार्टी नहीं है यह राज्य के लोगों की पार्टी है।

जेडीएस पर परिवार द्वारा संचालित पार्टी होने के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, यह कोई पारिवारिक पार्टी नहीं है। यह अपने कार्यकर्ताओं की पार्टी है। इस पार्टी के माध्यम से कई महान नेताओं ने पद संभाला है और कई अभी भी सेवारत हैं। कुछ ने पद संभाला और चले गए, लेकिन पार्टी कायम रही। दो राष्ट्रीय पार्टियों के बीच, जेडीएस एक मजबूत क्षेत्रीय ताकत बनी हुई है। आलोचकों को खुद से पूछना चाहिए, कैसे?

उन्होंने एक बार कहा था कि हमारे पास बैठने के लिए जगह नहीं है। आज, आप सभी इस भव्य पार्टी कार्यालय को देख सकते हैं। यह हमें एक कुरुबा महिला ने उपहार में दिया था, जो उस समय मेयर थीं। उन्होंने कहा, अन्ना, मैं आपका दर्द नहीं देख सकती' और हमें यह जमीन दे दी। वह एक धन्य आत्मा थीं। हमने मिलकर यह इमारत बनाई। उन्होंने कहा कि हमने देश भर में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम पर कार्यालय खोले हैं। क्या हमारा मजाक उड़ाने वालों को बोलने का नैतिक अधिकार है? वे हमें पारिवारिक पार्टी कहते हैं? हमारी पार्टी किसी एक परिवार या वंश की नहीं है। बीजेपी और कांग्रेस को छोड़कर, देश में बाकी सभी पार्टियाँ क्षेत्रीय हैं। उनमें से कई विभिन्न राज्यों में सत्ता में हैं। लेकिन मोदी एक बड़े नेता हैं, वे राष्ट्रीय और वैश्विक हस्ती बन गए हैं। पूरे देश में कोई दूसरा नेता नहीं है जो उनके सामने खड़ा हो सके। किसी भी पार्टी में नहीं। इसलिए हमने बीजेपी के साथ गठबंधन किया। देवेगौड़ा ने कहा कि हमने प्रधानमंत्री से हाथ मिलाया। हमने उनका विश्वास जीता। मैंने कुमारस्वामी को मंत्री बनाने का अनुरोध नहीं किया। यह मोदी ही थे जिन्होंने उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया और उन्हें महत्वपूर्ण विभाग दिए।

कुमारस्वामी ने मोदी के मार्गदर्शन में विजाग स्टील प्लांट को पुनर्जीवित किया। यह अब लाभ में चल रहा है। उस राज्य के मुख्यमंत्री और सभी पार्टी नेताओं ने सहयोग किया। लेकिन हमारे राज्य में ऐसा क्यों नहीं हो रहा है? अगर हमें समर्थन मिले, तो हम एचएमटी, कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी और भद्रावती में सर एम. विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट को पुनर्जीवित कर सकते हैं। कुमारस्वामी में काम करने का जुनून और समर्पण है। कांग्रेस सरकार को उनके साथ सहयोग करना चाहिए। अगर वे ऐसा करते हैं, तो इन सभी उद्योगों को फिर से जीवित किया जा सकता है। हम अभी भी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, सिंचाई के कई मुद्दे अनसुलझे हैं। हमें और अधिक मेहनत करनी चाहिए, उन्होंने जोर दिया।

निखिल कुमारस्वामी अच्छा काम कर रहे हैं। पार्टी संगठन महत्वपूर्ण है। मैंने उनका दौरा कार्यक्रम देखा है, इसकी योजना बहुत अच्छी तरह से बनाई गई है। सभी को उनका समर्थन करना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने उन्होंने कहा कि आगामी बीबीएमपी चुनावों में, हमें कम से कम 50 सीटें जीतनी चाहिए। जिला और तालुक पंचायत चुनावों में भी, हमें मजबूत प्रदर्शन करना चाहिए।

अनधिकृत रेलवे टिकट दलाल पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अवैध रेलवे टिकटिंग पर अंकुश लगाने के लिए सक्रिय प्रयास में, सैटेलाइट गुड्स टर्मिनल, व्हाइटफील्ड के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 13 जून को कर्नाटक के कोलार जिले के नरशापुरा में स्थित एक फर्म पर छापा मारा। छापे के दौरान, एक व्यक्ति को रेलवे ई-टिकटों की अनधिकृत खरीद और बिक्री में लिप्त पाया गया।

उसे रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 180 बी के तहत एक सम्मन दिया गया, जिसमें पूछताछ के लिए आरपीएफ/एसजीडब्ल्यूएफ सब-इंस्पेक्टर के सामने पेश होने के निर्देश दिए गए। वह निर्देशानुसार पेश हुआ, और पूछताछ के दौरान उसने अनधिकृत टिकटिंग व्यवसाय चलाने की बात कबूल की। उसने रेलवे ई-टिकट बुक करने और ग्राहकों को मांग पर उन्हें बेचने के लिए कई व्यक्तिगत आईआरसीटीसी उपयोगकर्ता आईडी का उपयोग करने की बात स्वीकार की, जिसके लिए वह प्रति टिकट 200 से 300 रुपए तक का कमीशन लेता था।

उन्होंने स्वेच्छा से अवैध गतिविधि में इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन सौंप दिया। जांच करने पर, अधिकारियों को उनके ईमेल खाते से जुड़े चार व्यक्तिगत आईआरसीटीसी उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड मिले। मोबाइल डिवाइस में 2,335 मूल्य का एक लाइव ई-टिकट और 42,310 रुपए मूल्य के 15 पूर्ण यात्रा ई-टिकट थे, जिससे जब्त किए गए टिकटों का कुल मूल्य 44,645 रुपए हो गया। सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद, व्यक्ति को हिरासत में ले लिया गया। उसके खिलाफ बेंगलूरु कैंटोनमेंट थाने में रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 143 के तहत मामला दर्ज किया गया। बाद में उसे निर्धारित शर्तों के तहत स्व-जमानत जमानत बांड पर रिहा कर दिया गया। छापेमारी और पूछताछ वेंकटेश मूर्ति, सब-इंस्पेक्टर, आरपीएफ/एसजीडब्ल्यूएफ; असित यादव, कांस्टेबल, एसजीडब्ल्यूएफ; और सुब्रत मंडल, कांस्टेबल, एसजीडब्ल्यूएफ द्वारा की गई।

'कंतारा-1' की शूटिंग के दौरान नाव पलटी; अभिनेता ऋषभ और 30 अन्य लोग बाल-बाल बचे

शिवमोग्गा। कन्नड़ फिल्म ''कंतारा : चैप्टर 1'' की शूटिंग के दौरान एक नाव जलाशय में पलट गई, हालांकि अभिनेता-निर्देशक ऋषभ शेट्टी और फिल्म निर्माण में शामिल 30 अन्य लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि यह घटना शिवमोग्गा जिले के मस्ती कट्टे क्षेत्र में मणि जलाशय में फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई। यह दुर्घटना जलाशय के उथले क्षेत्र में हुई, जिससे संभावित त्रासदी टल गई। हालांकि, माना जा रहा है कि कैमरे और अन्य शूटिंग उपकरण पानी में डूब गए हैं। नुकसान का आकलन किया जाना अभी बाकी है। मौके पर पहुंची तीर्थहल्ली पुलिस के अनुसार, नाव पर सवार लोग बाल-बाल बच गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेंगलूरु भगदड़ : भाजपा कल विरोध प्रदर्शन करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को कहा कि वह हाल में चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़ के मामले को लेकर 17 जून को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विरोध प्रदर्शन करेगी और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इस्तीफे की मांग करेगी। भाजपा ने आरोप लगाया कि चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ के लिए मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। यहां की मुख्य विपक्षी पार्टी ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) को मिली जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत के मामले में चर्चा के लिए मुख्यमंत्री को विधानमंडल का अपात सत्र आहूत करना चाहिए।

इस महीने की चार तारीख को यह घटना तब हुई जब लगभग 2.5 लाख प्रशंसक अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम और उसके आसपास एकत्र हो गए, जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ मच गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 56 अन्य घायल हो गए थे। महालक्ष्मी लेआउट से विधायक और पूर्व मंत्री के गोपालैया ने कहा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राज्य के सभी विधायक, विधान परिषद सदस्य, जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेंगे। गोपालैया ने कहा कि भगदड़ त्रासदी कर्नाटक के इतिहास में एक काला धब्बा है।

भाजपा विधायक ने कहा, ''कांग्रेस सरकार ने खिलाड़ियों के सम्मान में दो कार्यक्रम आयोजित किए थे। हालांकि, पुलिस विभाग ने मुख्यमंत्री को इन कार्यक्रमों को आयोजित न करने के लिए लिखा था, लेकिन मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम आयोजित किया।'' उन्होंने जातिगत गणना नए सिरे से कराने के राज्य सरकार के फैसले पर कहा कि हालांकि वह इसका स्वागत करते हैं, लेकिन सरकार भगदड़ से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है।

गोपालैया ने यह मांग की कि सरकार को पिछले जातिगत सर्वेक्षण पर खर्च किए गए करदाताओं के पैसे का ब्योरा सार्वजनिक करना चाहिए। इस बीच, कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा विधायक आर अशोक ने रविवार को राज्य सरकार से भगदड़ की घटना पर चर्चा के लिए विधानमंडल का आपातकालीन सत्र बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को लिखे पत्र को मीडिया के साथ साझा किया। अशोक ने रेखांकित किया कि इस घटना ने सार्वजनिक सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण तथा खेल एवं अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के बारे में गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''इस त्रासदी ने जनता में चिंता पैदा कर दी है। प्रशासन की चूक, घटना के बाद सरकार की कार्रवाई और प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाने के प्रयासों ने व्यापक संदेह को जन्म दिया है।

'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि सच्चाई छिपाने के लिए तीन अलग-अलग जांच की जा रही हैं और असहाय अधिकारियों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है।

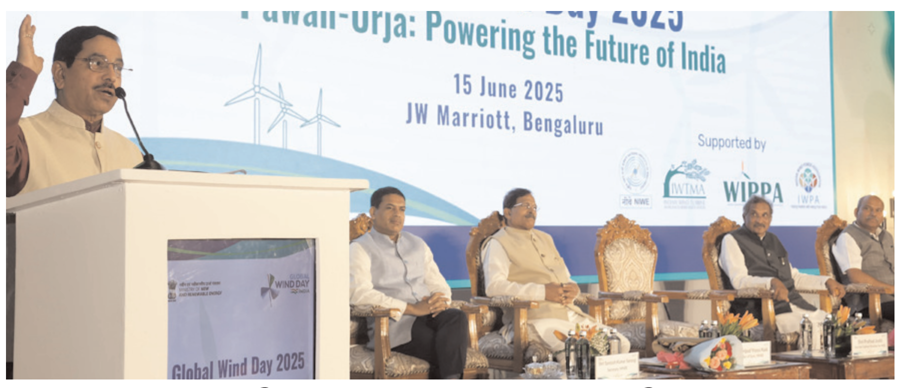

देश में सर्वाधिक पवन ऊर्जा क्षमता के मामले में कर्नाटक पहले स्थान पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वित्त वर्ष 2024-25 में 1,331.48 मेगावाट की सर्वाधिक पवन ऊर्जा क्षमता वृद्धि हासिल करने के कारण कर्नाटक को देश में पवन ऊर्जा क्षमता में प्रथम स्थान दिया गया है। कर्नाटक राज्य के ऊर्जा मंत्री के. जे. जॉर्ज ने रविवार को बेंगलूरु में आयोजित 'पवन-ऊर्जा : भारत के भविष्य को सशक्त बनाना' थीम पर आयोजित वैश्विक पवन दिवस 2025 समारोह के दौरान केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी से यह पुरस्कार प्राप्त किया। मंत्री जॉर्ज के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि कर्नाटक के बाद तमिलनाडु और गुजरात ने क्रमशः 1,136.37 मेगावाट और 954.76 मेगावाट ऊर्जा क्षमता की वृद्धि हासिल की। जॉर्ज ने पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, ''यह केवल एक संख्या नहीं है – यह स्वच्छ ऊर्जा के प्रति कर्नाटक की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।'' उन्होंने कहा कि सक्रिय नीतियों, कार्यान्वयन क्षमताओं और दूरदर्शिता ने कर्नाटक को अक्षय ऊर्जा परिदृश्य में अग्रणी बना दिया है। उन्होंने बताया कि एक ही वर्ष में 1,331 मेगावाट की वृद्धि एक स्थायी भविष्य के लिए पवन ऊर्जा का दोहन करने में राज्य की क्षमता को दर्शाती है। उनके अनुसार, कर्नाटक की कुल स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता अब 7,351 मेगावाट है और यह अक्षय ऊर्जा में इसके निरंतर नेतृत्व का प्रमाण है। मंत्री ने कहा, यह उपलब्धि बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को निष्पादित करने और उद्योगों, किसानों और घरों को स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने की हमारी क्षमता का प्रतीक है।''

रविवार को बेंगलूरु में कोडवा समाज द्वारा कर्नाटक सरकार द्वारा सात एकड़ जमीन आवंटित करने के मद्देनजर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री केजे जॉर्ज, बैराती सुरेश, विधायक पोन्नन्ना, मंथर गौड़ा, रिजवान अरशद, कोडवा समाज के अध्यक्ष केटी पेमैया, उपाध्यक्ष पीके मुथप्पा और अन्य लोग शामिल हुए।

भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/मंगलूरु। कर्नाटक के कई हिस्सों में रविवार को भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई क्षेत्रों में जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। तटीय कर्नाटक में मूसलाधार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं, जबकि महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण यादगिर जिले में कृष्णा नदी उफान पर है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण कन्नड़ जिले के विभिन्न हिस्सों में बीते 24 घंटों के दौरान 110 से 210 मिमी तक बारिश दर्ज की गई। जिले के मुख्यालय मंगलूरु में 170 मिमी बारिश हुई, जबकि पनंबूर वेधशाला में 210 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। पड़ोसी उडुपी जिले में 50 मिमी बारिश हुई। तटीय कर्नाटक में भारी बारिश के चलते सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। मंगलूरु शहर के कई शहरी इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मंगलूरु तालुक में राष्ट्रीय राजमार्ग-169 के पास केत्तिकल्लू क्षेत्र में भूस्खलन की सूचना है। आईएमडी ने रविवार को दक्षिण कन्नड़, उडुपी, शिवमोग्गा, चिक्कमगलुरु और कोडगु जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी देते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

मंगलूरु के पंपवेल, बिकरनकट्टे, कैकांबा और कंकाराडी जैसे इलाकों में जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त न होने के कारण पानी भर गया। निचले इलाकों में घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सड़कों में पानी घुस गया, जिससे यातायात में बाधा और संपत्ति को नुकसान हुआ। पंपवेल चौराहे पर भारी जलभराव के कारण यातायात धीमा पड़ गया। बेंगलूरु से आने वाली बसों को पाडिल से नंथूर सर्कल होते हुए मार्ग बदलकर भेजा गया।

जयश्री गेट-बिकरनकट्टे मार्ग पर जलभराव ने जल निकासी की व्यवस्था की खामियों को उजागर कर दिया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम से की गई शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। राष्ट्रीय राजमार्ग-169 पर केत्तिकल्लू के पास भूस्खलन के कारण सड़क अवरुद्ध हो गई, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और सड़क को साफ करने का काम जारी है।

मंगलूरु नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि आपातकालीन टीम को नालों की सफाई और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए तैनात किया गया है। हालांकि, स्थानीय नागरिकों ने नालों की गाद निकालने और प्रभावी वर्षा जल निकासी व्यवस्था की मांग की है। आईएमडी ने आने वाले दिनों में तटीय कर्नाटक में बारिश जारी रहने का पूर्वानुमान जताया है। तटीय जिलों और चिक्कमगलुरु के प्रशासन ने लोगों को जलभराव और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है।

उडुप्पी के ब्रह्मावर, गुंडिबैल, कालसंका, अंबगिलु, कोलालगिरी और केजी रोड जैसे कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। राष्ट्रीय राजमार्ग-66 के पास मुख्य मार्गों और सेवा मार्गों में भी पानी भर गया। कुंडापुर तालुक के हीरूर, हलाडी, कुंबाशी, ठेक्काट्टे और आस-पास के गांवों में भारी जलभराव देखा गया। यादगिर जिले में भारी बारिश के कारण बसवसागर बांध से कृष्णा नदी में 52 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बारिश से कई क्षेत्रों में फसलों को नुकसान हुआ है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए शिविरों का होगा आयोजन : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार चारों जातियों–युवा, महिला, किसान और गरीब के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अन्त्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में वंचितों को वरीयता देते हुए राज्य सरकार 24 जून से 9 जुलाई तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा संचालित करने जा रही है। इसके माध्यम से व्यापक गतिविधियां संचालित कर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़ा (24 जून से 9 जुलाई) की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प ''गरीबी मुक्त राजस्थान'' बनाना है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' शुरू की है, जिसके माध्यम से हम पहले चरण में 5 हजार गांवों में सभी बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाएंगे। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के दौरान जिला कलक्टर इन 5 हजार गांवों के अलावा अन्य गांवों में भी सर्वे का कार्य प्रारंभ करें ताकि अधिक से अधिक लोगो को भी इस योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 जून को प्रारम्भ हुए 'वंदे गंगा' जल संरक्षण–जन अभियान के अन्तर्गत प्रदेशभर में जल संरक्षण एवं संग्रहण की व्यापक गतिविधियां सफलतापूर्वक आयोजित की जा रही हैं। इस अभियान में प्रदेशभर में अब तक एक लाख से अधिक गतिविधियों का आयोजन किया गया है तथा जनसहभागिता से यह अभियान जन आंदोलन बन रहा है। उल्लेखनीय है कि 20 जून तक संचालित किए जा रहे इस अभियान में जलस्रोतों, नदियों, जलधाराओं, तालाबों के साथ ही, बावडियों, कुंओं, बांधों के संरक्षण एवं सफाई आदि के कार्य जनसहभागिता से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पखवाड़े के अन्तर्गत प्रतिदिन ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर इन शिविरों के सफल आयोजन के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति करें। मुख्यमंत्री ने पखवाड़े के संबंध में 20 जून को ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को इसकी सम्पूर्ण जानकारी मिल सके। शर्मा ने कहा कि पखवाड़े के अन्तर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना में लक्षित परिवारों को गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही, लम्बित पत्थरगढ़ी और सीमाज्ञान प्रकरणों का निस्तारण, स्वामित्व पट्टो का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (एनएफएसए) के अन्तर्गत लम्बित प्रकरणों का निस्तारण एवं नवीन पात्र परिवारों एवं सदस्यों की आधार सीडिंग के कार्य भी किए जाएंगें।

उन्होंने कहा कि पखवाड़े के दौरान रास्तों व जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने और लम्बित राजस्व प्रकरणों में सहमति बनाने का प्रयास किया जाए। मुख्यमंत्री ने वन विभाग को नर्सरियों से पौधों का वितरण, कृषि विभाग को बारिश से पहले बीज वितरण और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को समर कंटीजेंन्सी कार्यों के फिजिकल वैरिफिकेशन के लिए विशेष दिशा–निर्देश प्रदान किए। इसके साथ ही, उन्होंने खोदी हुई सड़क, लाइन व लिंकेज क निरीक्षण और मरम्मत कार्य करने एवं 'पानी की टंकी की सफ़ाई के लिए भी निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री ने मानसून की तैयारियों के दृष्टिगत संबंधित विभागों को एक्शन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई और उसका सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। जिन क्षेत्रों में जल भराव होता है उनका समय पर चिन्हिकरण कर आवश्यक कार्य पूरे किए जाएं। मौसमी बीमारियों के मद्देनजर स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवाइयां उपलब्ध हों तथा वर्षाजनित आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन मुस्तैद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पखवाड़े में लम्बित नल कनेक्शन जारी करना, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण के लिए कैम्प का आयोजन एवं विद्यालयों में प्रवेशोत्सव मनाने के साथ ही साफ–सफाई सहित आदि कार्य भी संचालित किए जाएंगे। इस दौरान उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पात्र विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण और वन–विभाग द्वारा हरियालों राजस्थान के अन्तर्गत पौधा वितरण के कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान और सम्मान दिलाया है। प्रत्येक नागरिक योग को अपनाकर स्वस्थ राजस्थान के निर्माण में योगदान दें। शर्मा ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) पर प्रदेश के सवा करोड़ लोगों द्वारा योग करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि विकास भी और विरासत भी के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए इस बार योग दिवस के आयोजन को प्रदेश की संस्कृति एवं धरोहर से जोड़े। प्रत्येक संभाग व जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर योगाभ्यास का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही, ब्लॉक, ग्राम पंचायत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सरकारी एवं गैर–सरकारी संस्थानों में भी योगाभ्यास का आयोजन किया जाए।

भूमि विवाद को लेकर किसान की गोली मारकर हत्या

अलवर राजस्थान में कोटपुतली बहरोड़ जिले के बानसूर के बास दयाल पुलिस थाना क्षेत्र में शनिवार रात भूमि विवाद को लेकर एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने मृतक के परिजनों के हवाले से रविवार को बताया कि नीमूचाना गांव में बनवारी लाल (60) ने करणी सिंह ठाकुर को एक बीघा जमीन बेची थी। जिसके उसने रुपये नहीं दिये थे। वह रुपये मांगता तो करणसिंह उसे धमकी देता था। शनिवार शाम सात बजे बनवारी लाल ट्रैक्टर लेकर खेत गया और उसके बाद रात तक नहीं लौटा। इस पर परिजन खेत पहुंचे तो वहां खून से लथपथ उसका शव मिला। उसके सीने पर गोली लगी थी। पुलिस ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा अस्पताल पहुंचे और पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

बिरला को दिया गया सहकारी बैंक कार्मिकों से संबंधित ज्ञापन

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को रविवार को यहां अखिल राजस्थान सहकारी बैंक अधिकारी एसोसिएशन एवं राजस्थान सहकारी बैंक कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने सहकारी बैंक कार्मिकों से सम्बंधित मांग पत्र एवं ज्ञापन दिया। शर्मा ने बताया कि बिरला से मिलकर उन्होंने सहकारी बैंक कार्मिकों से संबंधित मांगों का ज्ञापन देकर उनके निस्तारण का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस पर बिरला ने मुख्यमंत्री एवं सहकारिता मंत्री से बात करके सभी मुद्दों का हल जल्द निकालने एवं मांगों के निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में मांग की गई प्रमुख मांगों में राज्य के समस्त केन्द्रीय सहकारी, शीर्ष सहकारी बैंकों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजस्थान ग्रामीण बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंकों की भांति पेंशन लाभ देने, राज्य के शीर्ष सहकारी बैंक एवं राज्य के समस्त केन्द्रीय सहकारी बैंकों में बैंक में ही कार्यरत अनुभवी एवं वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के आधार पर प्रबंध निदेशक के पद पर लगाया जाने सहित कई मांगें शामिल हैं। एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव कल्याण सिंह चौहान ने बताया कि शीघ्र ही प्रान्तीय कार्यकारिणी का विस्तार भी किया जायेगा।

अलवर में नशे में धुत दामाद ने सास की हत्या, पत्नी घायल

अलवर।। राजस्थान में अलवर जिले के खैरथल थाना क्षेत्र में रविवार को मीरका गांव में एक शराबी दामाद ने अपनी सास की हत्या कर दी जबकि पत्नी को घायल कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुकेश जाटव अपनी पत्नी आचुकी से अक्सर मारपीट करता था। इससे तंग आकर वह मीरका गांव में अपने पीहर आ गयी थी। इस पर मुकेश तड़के तीन बजे के बाद नशे में धुत होकर अपने दोस्तों के साथ मीरका गांव आया और घर में चारपाई पर सो रही सास शिव प्यारी और पत्नी आचुकी पर लोहे की छड़ से ताबड़तोड़ वार कर दिये। पुलिस ने बताया कि दोनों बुरी तरह घायल हो गयीं।

रेगिस्तानी इलाकों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर 'खेजड़ी' पेड़ों की हो रही अंधाधुंध कटाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। थार रेगिस्तान की कठोर जलवायु परिस्थितियों में अस्तित्व का प्रतीक और राजस्थान के राज्य वृक्ष का दर्जा प्राप्त 'खेजड़ी' (प्रोसोपिस सिनेरिया) अब अपने वजूद की लड़ाई लड़ रहा है। खेजड़ी को एक और अमृता बिश्नोई की तलाश है, जिन्होंने 1730 ई. में इन वृक्षों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। 'राजस्थान का गौरव' और रेगिस्तान के 'कल्प वृक्ष' के रूप में जाना जाने वाला खेजड़ी 'रूट बोरर' नामक जीव और फफूंद संक्रमण के चलते सूखने के कारण लंबे समय से अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों से यह मानव जनित खतरे – सौर संयंत्र – के कारण प्रभावित हुआ है, जिसकी वजह से इन पेड़ों का बड़े पैमाने पर सफाया हो रहा है। यह खतरा उस समय और बढ़ हो गया जब पिछले वर्ष फलौदी जिला प्रशासन ने बाप तहसील के अंतर्गत बड़ी सिड में सौर संयंत्र स्थल पर दबे 47 खेजड़ी के पेड़ बरामद किए।

पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के खिलाफ फलौदी में प्रदर्शन करने वाले विभिन्न बिश्नोई संगठनों के कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि उनके पास उपग्रह से ली गईं तस्वीरें हैं जो उनके इस दावे की पुष्टि करते हैं कि जैसलमेर, फलौदी, जोधपुर और बीकानेर जिलों में सौर संयंत्रों के लिए हजारों बीघा भूमि साफ की गई है।

इस सप्ताह के आरंभ में, जोधपुर के निकट मंदिरों के शहर और उभरते सौर ऊर्जा संयंत्र स्थल ओसियां ङ्कङ्कसे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की खबर मिली थी, जहां अन्य प्रजातियों जैसे रोहिड़ा के साथ–साथ खेजड़ी के लगभग 150 पेड़ों को काटा गया था, जिसके फूल को राजस्थान में राज्य पुष्प का दर्जा प्राप्त है। बिश्नोई टाइगर फोर्स के संगठन सचिव ओम प्रकाश लोल ने कहा कि यदि पेड़ों के हत्यारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन शुरू करेंगे। बिश्नोई टाइगर फोर्स में मुख्य रूप से बिश्नोई समुदाय के सदस्य शामिल हैं, जो पर्यावरण और वन्यजीव समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं। लोल ने दावा किया कि जोधपुर के पास मथानिया के जुड़ खारी गांव में भी खेजड़ी के पेड़ों को इसी तरह से हटाया जा रहा है, जहां 300 बीघा भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया जा रहा है।क्षेत्र में सौर संयंत्रों का दायरा बढ़ने के साथ इस तरह के प्रदर्शन और चेतावनियां आम हो गई हैं, लेकिन इनसे पेड़ों की अंधाधुंध और बेरोकटोक कटाई पर रोक लगाने में सफलता नहीं मिल पाई है।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले जयपुर के पायलट सेना में भी दे चुका था सेवाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तराखंड में रविवार को हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी पायलट राजवीर सिंह चौहान 15 साल से अधिक समय तक भारतीय सेना में सेवारत रहे थे और उन्हें विभिन्न भूभागों में उड़ान मिशन का व्यापक अनुभव था। केदारनाथ के पास रविवार को निजी कंपनी का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और पायलट चौहान समेत सात लोगों की मौत हो गई। जयपुर के शास्त्री नगर के निवासी चौहान अक्टूबर 2024 से 'आर्यन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड' के साथ पायलट के रूप में काम कर रहे थे। चौहान की मौत की जानकारी उनके पिता गोविंद सिंह को दी गई। चौहान के 'लिंक्डइन' प्रोफाइल के अनुसार भारतीय सेना में काम करने के कारण उन्हें विभिन्न इलाकों में उड़ान मिशन, हवाई संचालन की देखरेख का व्यापक अनुभव था और वह विभिन्न प्रकार के हेलीकॉप्टर तथा उनके रखरखाव में प्रशिक्षित थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हादसे पर शोक जताया है। राजभवन के प्रवक्ता के अनुसार राज्यपाल ने ईश्वर से राजस्थान के पायलट तथा अन्य श्रद्धालुओं की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''केदारनाथ में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से हुई राजस्थान के पायलट तथा अन्य श्रद्धालुओं की जनहानि का समाचार अत्यंत दुःखद है। बाबा केदार दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान व शोकाकुल परिवार को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति प्रदान करें।''

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''केदारनाथ के पास हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में जयपुर निवासी पायलट राजवीर सिंह चौहान समेत सात व्यक्तियों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं, ईश्वर उन्हें यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें एवं दिवंगतों की आत्मा को शांति प्रदान करें।''

शिलान्यास

संसदीय क्षेत्र कोटा के श्रीनाथपुरम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में सिंथेटिक वॉकिंग ट्रैक, बास्केटबॉल कोर्ट सहित विभिन्न खेल सुविधाओं के विकास कार्यों का शिलान्यास लोकसभआ अध्यक्ष ओम बिरला ने किया।

राज्य सरकार की मंशा, पेयजल, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग मंत्री हेमंत मीणा ने रविवार को प्रतापगढ जिला कलेक्ट्रेट के बैठक कक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान और बजट घोषणाओं को लेकर समीक्षात्मक चर्चा की। राजस्व मंत्री मीणा ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि जल स्रोतों की मरम्मत और एनीकट को लेकर आवश्यक कदम उठाएं। एनीकट में भरी हुई सिल्ट या गाद को साफ करवाएं। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रजातियों और जलवायु को देखते हुए पौधारोपण किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को कहा की जमीनी स्तर पर अभियान, पौधारोपण और सभी विकास कार्यों के ठोस परिणाम दिखने चाहिए।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है हर घर जल पहुंचे। इस कार्य को प्राथमिकता दो। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि धरातल पर समस्याएं तो आएंगी ही लेकिन हम मिलकर समस्या का निस्तारण करेंगे। किसी भी तरह की परेशानी आए तो उसे आपसी समन्वय से उचित स्तर पर सम्पर्क करके सुलझाएं। उन्होंने बजट घोषणाओ को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि सभी बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं फील्ड में जाकर क्रियान्वयन देखें। सभी कार्यों को नियमानुसार और मानक अनुरूप करें।

जिला कलक्टर डॉ. अंजली राजोरिया ने बताया कि बावड़ी और जल स्रोतों की साफ सफाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि सभी विभागों द्वारा कार्ययोजना के अनुसार कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए है।

अशोक गहलोत ने नीट-यूजी में अव्वल रहे महेश कुमार को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा– स्नातक' (नीट–यूजी) 2025 में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले छात्र महेश कुमार को बधाई दी है। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, ''बेहद खुशी का विषय है कि हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने नीट–यूजी 2025 में पहला स्थान हासिल किया है एवं प्रदेश का तथा अपने माता–पिता का नाम रोशन किया है।'' उन्होंने लिखा, ''महेश तथा इस परीक्षा में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। जो इस बार सफल नहीं हो सके हैं वो भी हिम्मत न हारें। थोड़ी और मेहनत से अगली बार आपको भी सफलता मिलेगी।''

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को इस परीक्षा के परिणाम जारी किए। वहीं कोटा की छात्रा अनुष्का शुक्रवाल ने नीट–यूजी 2025 में 629 अंक हासिल किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ओबीसी–एनसीएल श्रेणी में उनकी रैंक 72 रही।

अनुष्का के पिता हरिशंकर शुक्रवाल फैक्ट्री प्रबंधक हैं, जबकि उनकी मां सुनीता गृहिणी हैं। उनके भाई ने पहले आईआईटी प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की थी। अनुष्का ने कहा, यह हमारी मेहनत और त्याग का परिणाम है।

जल संचय और पर्यावरण संरक्षण को बनाएं जीवन शैली का हिस्सा : प्रेमचंद बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने जिला परिषद सभागार, उदयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने अभियान के तहत अब तक हुए कार्यों की प्रगति जानी और संबंधित विभागों से विस्तार से जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैरवा के उदयपुर आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से उनका स्वागत किया गया। बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिया डाबी ने अभियान में अब तक हुए कार्यों की पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान में उदयपुर जिला प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। जिले में अब तक 5000 से अधिक इंवेट आयोजित हो चुके हैं जिनमें तकरीबन 7 लाख लोगों की सहभागिता रही।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने अभियान में जिले की उपलब्धियों की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही आगामी दिनों में और अधिक बेहतर कार्य के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक विशेष सोच के साथ अभियान की शुरूआत की है। वंदे गंगा अभियान केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। जल संचय और पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन में आदत के रूप में विकसित करना होगा, तभी इस अभियान की सार्थकता सिद्ध होगी। उप मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने के लिए अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाया जा सके।बैठक में उप मुख्यमंत्री ने वन विभाग, पीएचईडी, पंचायतीराज, नगरीय निकाय, शिक्षा, जल संसाधन, विद्युत निगम आदि विभागों के अधिकारियों से अभियान के तहत किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने जल स्त्रोतों के संरक्षण, आमजन को जागरूक करने संबंधी गतिविधियों, हरयाळो राजस्थान अभियान के तहत पौधरोपण लक्ष्य और उसकी तैयारियों आदि की भी समीक्षा की।

उन्होंने आगामी मानसून सत्र के दौरान आपदा प्रबंधन को लेकर सभी विभागों को सतर्क रहकर समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। बैरवा ने नगर निकाय और पंचायतीराज के अधिकारियों को शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित ऐसी बावड़ियों और कुओं को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए, जो उपेक्षित हैं। साथ ही कार्ययोजना बनाकर उन पारंपरिक जलस्त्रोतों का जीर्णोद्धार कराकर पुनजीर्वित करने के निर्देश दिए।

सरकारी नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद और भेदभाव अब बीते दिनों की बात : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सरकारी नियुक्तियों में भाई-भतीजावाद और भेदभाव अब बीते दिनों की बात हो गयी है और अब आरक्षण का लाभ देते हुए मेरिट के आधार पर पूरी पारदर्शिता से भर्तियां की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में प्रदेश पुलिस के 60 हजार 244 नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र वितरण के लिये आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''वर्ष 2017 (उत्तर प्रदेश में भाजपा नीत सरकार के गठन का वर्ष) से पहले (सरकारी भर्तियों में) भाईभतीजावाद था। भेदभाव होता था। परीक्षा की शुचिता पर प्रश्न खड़े होते थे। पैसा दिए बगैर किसी का भी चयन नहीं हो सकता था लेकिन आज यह बीते दिन की बात हो गई है।'' उन्होंने कहा, ''अब तो अभ्यर्थियों को संविधान द्वारा प्रदत्त आरक्षण की सुविधा का लाभ देते हुए मेरिट को ध्यान में रखकर इस प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता से संपन्न करने का कार्य किया जा रहा है। आज उसी का परिणाम है कि हम लोगों ने अकेले उत्तर प्रदेश पुलिस बल में पिछले आठ वर्षों में दो लाख 16 हजार कर्मियों की नियुक्ति की है। केवल भर्ती ही नहीं की है, बल्कि पुलिस को मॉडर्न पुलिस बनाने की दिशा में भी कार्य किया है।''

आदित्यनाथ ने पूर्व में हुई पुलिस भर्ती में शाह के सहयोग को याद करते हुए कहा, ''मुझे याद है कि 2017 में जब हम लोगों ने पहली पुलिस भर्ती की थी। उस समय मैं, भाजपा के (तत्कालीन) राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान में गृहमंत्री अमित शाह जी के पास गया था। उन्होंने कहा था कि आप भर्ती करिये, प्रशिक्षण के लिए हम लोग सेना, अर्धसैनिक बल और अन्य राज्यों के प्रशिक्षण केंद्रों पर भी सुविधा उपलब्ध कराएंगे। मैं आभारी हूं कि उस समय तमाम राज्यों, अर्धसैनिक बलों और सेना ने हमें प्रशिक्षण केंद्र उपलब्ध कराये।'' मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री से मुखातिब होते हुए कहा, ''आपने 2021 में उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश स्टेट फॉरेंसिक इंस्टिट्यूट का शिलान्यास किया था और 2023 से इस संस्थान ने काम शुरू कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की मूल भावना दंड आधारित न होकर न्याय प्रदान करने की है।

मनाली में 'जिपलाइन' से गिरकर महाराष्ट्र की 12 वर्षीय बच्ची घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मनाली में 'जिपलाइन राइड' के दौरान रस्सी टूट जाने से 12 वर्षीय एक बच्ची गिरकर घायल हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बच्ची की पहचान त्रिशा बिजवे के रूप में हुई है, त्रिशा का जिपलाइन से गिरने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

महाराष्ट्र के नागपुर की रहने वाली त्रिशा पिछले सप्ताह अपने परिवार के साथ मनाली घूमने गई थीं, तभी यह घटना घटी। अधिकारियों के अनुसार त्रिशा जिपलाइन के बीच रास्ते में थी तभी रस्सी टूट गई, जिससे वह लगभग 30 फीट की ऊंचाई से नीचे एक गहरी खाई में जा गिरीं और गंभीर रूप से घायल हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद बच्ची को तुरंत नजदीकी चिकित्सा सुविधा में ले जाया गया, जहां से उसे चंडीगढ़ के स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान में स्थानांतरित कर दिया गया। बाद में उसे नागपुर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। मनाली के पुलिस उपाधीक्षक केडी शर्मा ने कहा कि दोनों पक्षों (त्रिशा के परिवार और जिपलाइन ऑपरेटर संचालक) के बीच आपसी समझौता हो गया है तथा कोई औपचारिक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

गाजियाबाद से रवाना हुआ कैलाश मानसरोवर यात्रा का पहला जत्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियावाद से हर हर महादेव के जयघोष के साथ मानसरोवर यात्रा का पहला जत्था रविवार को रवाना हुआ। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि पांच वर्षों के बाद फिर शुरू हुई यात्रा के लिए इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को भव्य आयोजन के बीच रवाना किया गया। इसके मुताबिक, इस जत्थे में दो अधिकारियों सहित कुल 39 यात्री शामिल हैं। शुरुआत में 46 यात्रियों का पंजीयन किया गया था, मगर स्वास्थ्य कारणों से कुछ यात्री शामिल नहीं हो सके।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सांसद अतुल गर्ग, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, आचार्य प्रमोद कृष्णम, प्रमुख सचिव (धर्मार्थ कार्य एवं संस्कृति) मुकेश मेश्राम, जिलाधिकारी दीपक मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कैलाश यात्रा की रवानगी के अवसर पर विशेष शैव आराधना का आयोजन हुआ, जिसमें डमरू, मृदंग, तुरही, ढोलक आदि पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज ने शिवमय वातावरण बना दिया। उपस्थित यात्रियों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साह के साथ हर हर महादेव का जयघोष किया। मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित करने की दिशा में ऐतिहासिक प्रयास कर रहे हैं। बयान के अनुसार, कैलाश तीर्थ यात्रियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के धर्मार्थ कार्य विभाग एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा एक विशेष योजना की घोषणा की गई है। मंदिर न्यास के सीईओ एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि सभी यात्रियों को लौटने पर एक विशेष रुद्राक्ष माला और सुगम दर्शन के लिए क्यूआर कोड युक्त कार्ड भेंट किया जाएगा। यह कार्ड एक वर्ष तक वैध रहेगा और इसके जरिए श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों व उनके चार परिजनों को प्राथमिकता मिलेगी।

उत्तर प्रदेश में पेलोड के साथ पहला सफल रॉकेट प्रक्षेपण परीक्षण

कुशीनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में एक सफल मॉडल रॉकेट प्रक्षेपण परीक्षण किया गया। यह पहली बार है जब राज्य से रॉकेट के जरिए कोई पेलोड प्रक्षेपित किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सहयोग से एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा शनिवार को किए गए परीक्षण में मॉडल रॉकेट शाम पांच बजकर 14 मिनट पर 1.12 किलोमीटर ऊपर तक गया।

परीक्षण स्थल पर मौजूद इसरो के वैज्ञानिक अभिषेक सिंह ने कहा, ''रॉकेट को शाम पांच बजकर 14 मिनट 33 सेकंड पर प्रक्षेपित किया गया, जो 1.1 किलोमीटर की ऊंचाई तक गया। इसके बाद एक छोटा उपग्रह (पेलोड) बाहर आया। जैसे ही यह पांच मीटर नीचे आया, इसका पैराशूट सक्रिय हो गया और उपग्रह जमीन पर 400 मीटर की दूरी पर उतर गया। पंद्रह किलोग्राम का रॉकेट भी सुरक्षित रूप से नीचे उतरा।

इन-स्पेस के संवर्धन निदेशालय के निदेशक विनोद कुमार ने परीक्षण की सफलता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, ''यह कार्यक्रम पूरे क्षेत्र और पूरे देश के बच्चों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि पैदा करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।'' कुमार ने कहा कि यह पहली बार था जब उत्तर प्रदेश में रॉकेट द्वारा सीधे उपग्रह प्रक्षेपित किया गया, जो पूरी तरह सफल रहा। इन-स्पेस अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के तहत संचालित एक स्वायत्त निकाय है।

धुबरी में देखते ही गोली मारने का आदेश सही, असम के खिलाफ हो रही 'बड़ी साजिश' : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिब्रूगढ़/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को धुबरी में जारी किए गए देखते ही गोली मारने के आदेश का बचाव करते हुए दावा किया कि आजादी के बाद से राज्य के खिलाफ एक ''बड़ी साजिश'' चल रही है और ऐसी साजिशों को खत्म करने में समय लगेगा।

कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने धुबरी शहर में सांप्रदायिक तनाव को नियंत्रित करने के लिए देखते ही गोली मारने के आदेश जारी करने पर सरकार की आलोचना की है। मुख्यमंत्री ने एक आधिकारिक समारोह के बाद कहा कि पुलिस ने धुबरी शहर में दीवारों पर आपत्तिजनक सामग्री लिखने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा, '' हमने पहले ही कार्रवाई की है। असम एक महत्वपूर्ण राज्य है। मेरे चेतावनी जारी करने मात्र से लोग राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लिप्त होना बंद नहीं करेंगे। यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा है जिसकी जड़ें आजादी के समय तक जाती हैं।''

शर्मा ने कड़े आदेश के नतीजे के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''इसलिए, यह सिर्फ चेतावनी से खत्म नहीं होगा। यह इतना आसान नहीं है। इसके लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता है और हमें इस पर काम करना जारी रखना चाहिए।'' उन्होंने शनिवार को कहा था कि धुबरी में 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यहां सांप्रदायिक तनाव के मद्देनजर उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया था। विपक्ष ने मुख्यमंत्री के आदेश की आलोचना की थी और कहा था कि कथित 'बीफ' फेंकने के बाद हुई झड़प भाजपा नीत सरकार की खुफिया विफलता को उजागर करती है। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा, ''यह पूरा प्रकरण गृह विभाग की विफलता को दर्शाता है। कोई खुफिया जानकारी क्यों नहीं थी? सरकार हमारे धार्मिक स्थलों की पवित्रता की रक्षा करने में विफल रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) असम के हर गांव में अपनी पैठ बढ़ा रहा है और समुदायों के बीच द्वेष पैदा करने की कोशिश कर रहा है। गोगोई ने कहा, ''वे सांप्रदायिक तनाव पैदा करने और लोगों को धर्म के नाम पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं। मैं असम पुलिस से अनुरोध करता हूं कि वह उन पर अंकुश लगाए और आने वाले दिनों में किसी भी तनाव से बचने के लिए उन्हें पुलिस थानों में पंजीकरण कराने के लिए कहें।''

मंदिर के नजदीक 'बीफ' फेंकने के मामले में पांच गिरफ्तार : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को बताया कि ईद के दौरान मंदिर के पास कथित तौर पर बीफ फेंकने के आरोप में राज्य के ग्वालपाड़ा जिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ग्वालपाड़ा जिले की लखीपुर पुलिस ने ईद-उल-अजहा के बाद सांप्रदायिक तनाव भड़काने के इरादे से एक मंदिर के पास कथित तौर पर गोमांस फेंकने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है।'' उन्होंने बताया कि पकड़े गए सभी लोग लखीपुर थाना क्षेत्र के खाकीलामारी वार्ड संख्या 10 के निवासी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मामला दर्ज कर लिया गया है और ऐसे सभी तत्वों के खिलाफ कानून के तहत पूरी सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।''

शर्मा ने आठ जून को कहा था कि ईद के दौरान कई स्थानों पर कथित तौर पर अवैध रूप से मवेशियों का वध किया गया और मांस के कुछ हिस्से असम में कई स्थानों पर फेंके गए। उन्होंने शनिवार को कहा कि धुबरी में 38 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जहां सांप्रदायिक तनाव के बाद रात के समय देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए गए थे।

अब जदयू ने लालू प्रसाद पर अंबेडकर का अपमान करने का लगाया आरोप

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद पर बाबा साहब अंबेडकर का कथित तौर पर अनादर करने का आरोप लगाया। लालू ने दलितों के प्रतीक अंबेडकर का चित्र कथित तौर पर अपने पैर के पास रखवाया था। जदयू महासचिव श्याम रजक ने प्रेसवार्ता में अपने पूर्व बॉस (लालू प्रसाद) के खिलाफ भड़ास निकाली। रजक पिछले साल राजद छोड़कर नीतीश के नेतृत्व वाली पार्टी में वापस आए थे।

पिछले सप्ताह प्रसाद के 78वें जन्मदिन समारोह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने का हवाला देते हुए रजक ने कहा, ''राजद सुप्रीमो ने अपनी संकीर्णता का परिचय दिया है, जिसके लिए बिहार की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी।'' राजद और जदयू की सरकारों में मंत्री पद संभाल चुके रजक ने यह भी दावा किया, ''नीतीश कुमार का 20 साल का कार्यकाल सामान्य रूप से सभी वंचित वर्गों और विशेष रूप से दलितों के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। उनकी नीतियों का असर जमीनी स्तर पर महसूस किया जा रहा है।'' जदयू नेता एक समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे, जहां फुलवारी के कई लोगों को पार्टी में शामिल किया गया। रजक कई बार फुलवारी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, लेकिन 2020 में राजद ने उन्हें टिकट नहीं दिया था और यह सीट गठबंधन सहयोगी भाकपा (माले) को दे दी गयी थी। मुख्यमंत्री के कट्टर प्रतिद्वंद्वी प्रसाद के खिलाफ जदयू महासचिव का तीखा बयान भाजपा द्वारा राजद अध्यक्ष के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणी के एक दिन बाद आया है। हालांकि, राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने विवाद के लिए 'कैमरे के कोण' को जिम्मेदार ठहराया है और दावा किया है कि जो व्यक्ति प्रसाद के घर अंबेडकर की तस्वीर लेकर आया था उसने ''तब तस्वीर अपने हाथों में ही पकड़ रखी थी''। यादव ने इस बात पर भी जोर दिया है कि प्रसाद कई बीमारियों से ग्रस्त हैं, इसलिए वह 'चिकित्सों की सलाह के अनुसार' अपने पैर सोफे पर रखे थे। इस बीच, आगामी विधानसभा चुनाव में राजद को अपना मुख्य प्रतिद्वंद्वी मानने वाली भाजपा ने प्रसाद पर अपना हमला तेज कर दिया है। एक बयान में, प्रदेश भाजपा ने घोषणा की है कि उसका 'अनुसूचित जाति मोर्चा' शाम को राजद सुप्रीमो का पुतला फूंकेगा।

अंबेडकर के अपमान को लेकर

प्रशांत किशोर ने राहुल को लालू की आलोचना करने की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर (बिहार)/भाषा। पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने रविवार को दावा किया कि बिहार में कांग्रेस ने खुद को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का पिछलग्गू बना लिया है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह लालू प्रसाद यादव द्वारा अपने पैरों के पास अंबेडकर की प्रतिमा रखने के लिए उनकी (लालू) आलोचना करके दिखाएं।

किशोर की नई पार्टी 'जन सुराज पार्टी' आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में उतरना चाहती है। किशोर ने मुजफ्फरपुर जिले में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। कांग्रेस की संभावनाओं के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए किशोर ने कहा, ''कांग्रेस ने बिहार में खुद को राजद के पिछलग्गू के रूप में सीमित कर लिया है। पहले राज्य कांग्रेस लालू प्रसाद की आभारी थी, अब तेजस्वी यादव (लालू के छोटे बेटे और उनके संभावित उत्तराधिकारी) की बारी है।''

किशोर (47 वर्ष) ने कहा, ''मैं राहुल गांधी से कहता हूं कि मुझे गलत साबित करने के लिए एक छोटा सा काम करें। वे अपने पैरों के पास अंबेडकर की तस्वीर रखने के लिए लालू प्रसाद की आलोचना करते हुए केवल एक बयान जारी करके दिखाएं।'' किशोर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि ''उन्होंने कांग्रेस शासित तेलंगाना के मुख्यमंत्री पर कभी हमला नहीं किया जिन्होंने बिहार के लोगों का मजाक उड़ाया था और कहा था कि छोटे-मोटे काम (मजदूरी) करना उनके डीएनए में है।''

जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने हाल ही में मुजफ्फरपुर की रहने वाली एक नाबालिग दलित लड़की की मौत पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगल पांडे के इस्तीफे की भी मांग की। पीड़िता की क्रूरतापूर्वक यौन उत्पीड़न किये जाने के कुछ दिनों बाद मौत हो गई थी। किशोर ने वरिष्ठ मंत्री और जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी पर भी निशाना साधा।

पुलिस ने विस्फोटक लूट मामले में मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया

राउरकेला/भाषा। ओडिशा पुलिस ने 27 मई को सुंदरगढ़ जिले में एक खदान के निकट एक वाहन से माओवादियों द्वारा पांच टन विस्फोटक लूटने की साजिश रचने वाले मुख्य आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान के. बालंग थानाक्षेत्र के बांको गांव में रहने वाले जॉर्ज मुंडा उर्फ कुलु (43) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मुंडा माओवादियों को महत्वपूर्ण जानकारी दे रहा था।

पुलिस उपमहानिरीक्षक (पश्चिमी रेंज) बृजेश राय ने बताया कि लूट की शुरुआत से ही वह मुख्य साजिशकर्ता था और सक्रिय रूप से माओवादियों को जानकारी दे रहा था। राय ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को जॉर्ज की मिलीभगत का पता चला। अधिकारी ने बताया कि कुलु खदान के ठीक सामने रहता था और उसे खदान पर आपत्ति थी। खदान को बाद में बंद कर दिया गया। उन्होंने बताया, कुलु खदान के खिलाफ बहुत मुखर था और फिर उसने इस मुद्दे को माओवादियों के सामने उठाया। उसने कई बार माओवादियों से मुलाकात की और विस्फोटक लदे ट्रकों की आवाजाही के बारे में महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी दी।

हरित योग का लक्ष्य पर्यावरण अनुकूल कदमों को योग के साथ एकीकृत करना है : जाधव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे 10 प्रमुख कार्यक्रमों में से एक, हरित योग का उद्देश्य योग के साथ पर्यावरण अनुकूल कदमों को एकीकृत करना है और यह पूरे देश में काफी लोकप्रिय हो रहा है।

जाधव ने कहा कि 11वें वर्ष में प्रवेश के साथ 2025 का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस महज एक स्मरणोत्सव नहीं है, बल्कि यह प्रयासों को बढ़ाने और समाज के सभी वर्गों की योग तक पहुंच को बढ़ाने का एक सामूहिक आह्वान है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है। जाधव ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि हरित योग ने पहले ही भारत भर में 160 से अधिक विशेष कार्यक्रमों को प्रेरित किया है, जिनमें सफाई अभियान, पौधारोपण अभियान और प्राकृतिक स्थानों पर योग सत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि तटीय क्षेत्रों से लेकर हिमालय की घाटियों तक पारिस्थितिकी और आसनों के बीच तालमेल को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। जाधव ने कहा, हम सभी पर्यावरण असंतुलन के हानिकारक प्रभावों- अनियमित बारिश, सूखा और अत्यधिक तापमान को देख रहे हैं।

राप्ती नदी में नाव पलटने से एक की मौत, 13 ग्रामीण तैरकर तट पर पहुंचे

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। गोरखपुर जिले के बड़हलगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर को राप्ती नदी में नाव पलटने से एक ग्रामीण की डूबने से मौत हो गयी और 13 अन्य तैरकर सुरक्षित तट पर पहुंच गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 55 वर्षीय पवारू यादव नामक व्यक्ति के रूप में हुई है। नाव में सवार लोग नेतवार पट्टी (गोरखपुर) से भूमि मापने के लिए देवरिया जा रहे थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नाव गोरखपुर जिले के नेतवार पट्टी से 14 लोगों को लेकर देवरिया जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के धनैया गांव जा रही थी और नौका नदी के किनारे से करीब 20 मीटर दूर पलट गई। उन्होंने बताया कि ग्राम प्रधान सत्यदेव यादव, शेषनाथ यादव, मुकेश यादव और जयप्रकाश सहित अन्य यात्री राजस्व विभाग की भूमि के सर्वेक्षण के लिए जा रहे थे। इस घटना में पवारू यादव (55) नामक व्यक्ति डूब गया।

मैं ऐसी टीम संस्कृति बनाना चाहता हूं जहां हर कोई सुरक्षित और खुश रहे : शुभमन गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कभी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का नेतृत्व करने का सपना नहीं देखा था लेकिन उन्होंने स्वयं के लिए ऐसी टीम संस्कृति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जहां हर खिलाड़ी 'सुरक्षित और खुश' रहे।

बदलाव के दौर से गुजर रहा भारत 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीमों के बीच पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाना है। गिल ने 'स्काईस्पोर्ट्स' से कहा, ''मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनना चाहता हूं इसलिए सभी ट्रॉफियों के बावजूद मैं ऐसी टीम संस्कृति बनाना चाहता हूं जहां हर कोई बहुत सुरक्षित और खुश रहे।''

लेकिन गिल जानते हैं कि यह काम कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि यह बहुत मुश्किल हो सकता है, विशेषकर सभी प्रतिस्पर्धा और जितने मैच हम खेलते हैं उसे देखते हुए, अलग-अलग टीम होती हैं। लेकिन अगर मैं ऐसा कर

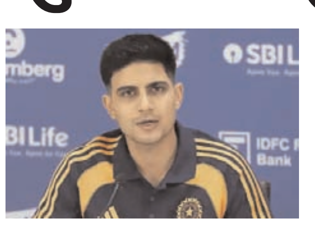

पाया तो मुझे लगता है कि यह मेरा लक्ष्य होगा।'' गिल ने कहा, ''इसलिए एक सुरक्षित माहौल बनाए रखना और खिलाड़ी को उसकी क्षमताओं और योग्यताओं में सुरक्षित महसूस कराना मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है जो एक नेतृत्वकर्ता को करना चाहिए।'' गिल ने माना कि सात मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा ने उनके लिए एक स्पष्ट रास्ता तय किया है। उन्होंने कहा, ''ऐसा लग सकता है कि वह आक्रामक नहीं है लेकिन रोहित अपनी रणनीति के मामले में बहुत आक्रामक हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो मैचों से पहले, श्रृंखला के दौरान और श्रृंखला के बाद भी अपने संवाद में बहुत स्पष्ट रहते हैं कि वह खिलाड़ियों से क्या चाहते हैं।'' गिल ने कहा कि वह अपने पूर्ववर्ती रोहित के रास्ते पर चलना चाहते हैं जिन्होंने हमेशा टीम को व्यक्तिगत खिलाड़ियों से आगे रखा। उन्होंने कहा, ''रोहित भाई ने जिस तरह का माहौल बनाए रखा, भले ही रोहित भाई आपको अपशब्द कह रहे हों, आप इसे अपने दिल पर नहीं लगाएंगे। यह उनका व्यक्तित्व है। मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छी विशेषता है।'' गिल ने कहा, ''वह दृढ़ है लेकिन भले ही वह आप पर कठोर हो, आप जानते हैं कि यह उनके दिल से नहीं आ रहा है। यह टीम के नजरिए से आ रहा है।'' पच्चीस वर्षीय गिल ने कहा कि उन्होंने रोहित के साथ टीम के भविष्य के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा,''यह एक ऐसी बातचीत है जो मैंने रोहित भाई के साथ कई बार की है कि आदर्श रूप से अगले पांच, सात या 10 या 15 वर्षों में हम भारतीय क्रिकेट टीम की संस्कृति को कहां देखना चाहेंगे?''

पिच से स्पिनरों के लिए भी मदद मिलने की उम्मीद: कुलदीप यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेकेनहैम/भाषा। अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के मुख्य स्पिनर कुलदीप यादव से इंग्लैंड दौरे पर बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है और यह वामहस्त स्पिनर 'इंट्रा स्क्वाड' अभ्यास मैच के दौरान पिच से मिली मदद से आत्मविश्वास से लबरेज है।

कुलदीप बायें हाथ के एक अन्य स्पिनर (हरफनमौला) रविंद्र जडेजा के साथ अधिक समय बिता रहे हैं। अश्विन के संन्यास के बाद जडेजा पर अधिक जिम्मेदारी होगी क्योंकि उन्हें इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है जबकि कुलदीप ने इस देश में एक टेस्ट में सिर्फ नौ ओवर गेंदबाजी की है। भारतीय टीम ने इंग्लैंड में 2007 के बाद कोई टेस्ट श्रृंखला नहीं जीती है और विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा करने के लिए टीम को कुलदीप के योगदान की जरूरत होगी। वह लीड्स में खेले जाने वाले शुरुआती मैच में शायद एकादश का हिस्सा ना हो लेकिन बर्मिंघम, लॉर्ड्स और ओवल के मैदानों पर कारगर साबित हो सकते हैं। कुलदीप ने 'इंट्रा स्क्वाड' अभ्यास मैच से इतर कहा, ''विकेट (पिच) स्पिनरों के लिए अच्छा हैं। यह बल्लेबाजी के लिए भी अच्छा है। पहले दिन नमी थी, तेज गेंदबाजों को मदद मिली लेकिन जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, स्पिनरों ने मैच में अपना दबदबा बनाया।'' इस कलाई के स्पिनर ने कहा कि उन्हें पांच मैचों की श्रृंखला के दौरान पिच से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है।

सुविचार

राधा का प्रेम वो नदी है जो अपने किनारे नहीं देखती, उसे सिर्फ बहना आता है, क्योंकि बहना ही उसका अस्तित्व है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शांतिपूर्ण समाधान तलाशें इजराइल-ईरान

इजराइल ने ईरान पर जबर्दस्त धावा बोला है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला ख़ामेनेई सिर्फ धमकियां देते रहे और इजराइल ने कारनामा कर दिखाया। यह कार्रवाई इजराइल की सैन्य शक्ति के साथ ही वैज्ञानिक और खुफिया प्रतिभा का भी प्रदर्शन है। उसने जिस तरह ईरान के दर्जनभर परमाणु वैज्ञानिकों और शीर्ष सैन्य अधिकारियों को उनके 'ठिकानों' पर निशाना बनाया, उससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि मोसाद के पास इनके बारे में पूरी जानकारी थी। ये वैज्ञानिक और सैन्य अधिकारी कहां रहते थे, किस समय कहां जाते थे, किस पद पर कार्यरत थे, यहां तक कि रात को कहां विश्राम करते थे ... जैसी बारीक जानकारी जुटाई गई। इसके बाद हमला किया गया। यह जानकारी मोसाद तक किसने पहुंचाई होगी? जाहिर है, ईरान के नागरिकों में से ही कुछ लोगों ने ऐसा किया होगा। अगर इजराइल ने इस हद तक अपना खुफिया नेटवर्क फैला रखा है तो ईरानी नेतृत्व के लिए भविष्य में गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। इजराइल हमास और हिज्बुल्लाह के कई शीर्ष कमांडरों और लड़ाकों का खात्मा कर चुका है। उसने इन दोनों संगठनों की कमर तोड़ दी है। इन्हें ईरान सहयोग दे रहा था। ऐसे में इजराइल का उस पर हमला तो निश्चित था। ईरान ने भी तैयारियां कर रखी थीं। उसके पास इमाद, ग़दर और खेबर शेकन जैसी घातक मिसाइलें हैं, जो गर्जना करती हुईं इजराइल की ओर बढ़ीं, लेकिन वहां एयर डिफेंस सिस्टम ने ज्यादातर को आसमान में ही नष्ट कर दिया। कुछ मिसाइलें नीचे गिरीं। उनसे नुकसान जरूर हुआ। हालांकि इन हमलों में ईरान की तुलना में इजराइल को काफी सुरक्षित माना जा सकता है। इजराइली जनता के पास इसका प्रशिक्षण है कि जब भी दुश्मन का हमला हो, सायरन बजे, सबको सुरक्षित स्थानों की ओर चले जाना है। वहां मॉक ड्रिल भी होती रहती हैं। इससे लोग हमेशा तैयार रहते हैं।

सवाल है- अब ईरान क्या करेगा? वह इजराइली हमले के बाद पलटवार कर चुका है। क्या वह अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करेगा? इसका जवाब उसके परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) ने यह कहते हुए दे दिया है कि 'ईरान दृढ़ है ... अपने परमाणु वैज्ञानिकों के मजबूत संकल्प पर भरोसा करते हुए, हम शक्ति और संकल्प के साथ शांतिपूर्ण परमाणु प्रौद्योगिकी विकसित करने के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। दुश्मनों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले इस देश की इच्छाशक्ति के सामने कुछ भी नहीं हैं।' ईरान जिसे 'शांतिपूर्ण परमाणु प्रौद्योगिकी' बता रहा है, उसका मकसद इजराइल भलीभांति जानता है। अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो वह इजराइल के अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा होगा। उसकी चिंता आईडीएफ के इन शब्दों से झलकती है कि 'परमाणु हथियार हासिल करने और इजराइल को दुनिया से मिटा देने की ईरानी चाहत ही हमें यहां तक ले आई है। हम इतिहास के एक महत्त्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। कार्रवाई कोई विकल्प नहीं है, यह एक जरूरत है। हमारे पास कार्रवाई करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था।' अब इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का ईरानी नागरिकों से यह आह्वान करना कि वे अपने झंडे और ऐतिहासिक विरासत के साथ एकजुट होकर दुष्ट और दमनकारी शासन से आज़ादी के लिए खड़े हों, जो कभी इतना कमज़ोर नहीं रहा', कई 'उलझनें' पैदा करता है। प्राय: ऐसे मौकों पर लोग अपनी सरकार के साथ एकजुटता दिखाते हैं। ईरान में भी ऐसा हो रहा है। उस देश में ख़ामेनेई के विरोधियों की कमी नहीं है, लेकिन जब कोई बाहरी ताकत हमला करेगी, वैज्ञानिकों और सैन्य अधिकारियों के साथ आम नागरिक मारे जाएंगे तो तमाम शिकायतों के बावजूद लोगों की सहानुभूति सरकार के साथ होगी। इस समय ख़ामेनेई पर बड़ा दबाव है कि वे कुछ ऐसा करें, जिससे नागरिकों के मन में उनकी मजबूत छवि बने। अगर वे परमाणु कार्यक्रम की ज़िद के साथ इजराइल से टकराव जारी रखेंगे तो दोनों देशों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। सहिष्णुता और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व ही एकमात्र समाधान है, जिस पर दोनों देशों के नेतृत्व को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

उत्तराखंड में केदारनाथ के समीप हेलिकॉप्टर दुर्घटना में राजस्थान के पायलट सहित कई श्रद्धालुओं की जनहानि का समाचार अत्यंत दु:खद एवं स्तब्ध करने वाला है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में संबल प्रदान करें।

-दीया कुमारी

संसदीय क्षेत्र कोटा के श्रीनाथपुरम स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में सिंथेटिक वॉकिंग ट्रैक, बास्केटबॉल कोर्ट सहित विभिन्न खेल सुविधाओं के विकास कार्यों का शिलान्यास, कोटा-बून्दी को प्रदेश का एक अग्रणी खेल हब बनाने की दिशा में एक और मजबूत कदम है।

-ओम बिरला

केदारनाथ के पास हुए हेलिकॉप्टर क्रैश में जयपुर निवासी पायलट श्री राजवीर सिंह चौहान समेत 7 व्यक्तियों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं, ईश्वर उन्हें यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

अकेले ही काफी

एक बार परेशान अभिभावक अपने मंदबुद्धि बालक को लेकर बुद्ध के पास आये। उसने बुद्ध से कहा, 'हम हार मानने लगे हैं। क्या कोई जन्म से ही बुद्धिमान होता है?' बुद्ध ने उत्तर दिया, 'हार मत मानो। कोई भी जन्म से बुद्धिमान नहीं होता। ज्ञान अपने प्रयासों और सही माहौल से प्राप्त होता है।' अभिभावक ने पूछा, 'लेकिन हम दोनों अकेले हैं, इस बच्चे को कैसे विचारवान और विवेकवान बनाएंगे?' बुद्ध ने कहा, 'कभी मत सोचो कि तुम अकेले हो, बल्कि सोचो कि तुम अकेले ही काफी हो।' अभिभावक ने फिर कहा, 'हमारे आस-पास के लोग मन ही मन हम पर हंसते हैं।' बुद्ध ने हंसते हुए कहा, 'जगहंसाई से मत घबराओ, अपने कर्तव्य और लक्ष्य को कभी मत छोड़ो। क्योंकि जब तुम अपने लक्ष्य प्राप्त कर लोगे तो हंसने वालों की राय भी बदल जाएगी।' यह सुनकर वह अभिभावक आत्मविश्वासी बनकर लौटे।

सामयिक

ईरान से इस्राइल को अस्तित्व खतरा है। ईरान में मजहबी तानाशाही है। ईरान में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सिर्फ हाथी के दांत होते हैं, खिलौने होते हैं, मनोरंजन के पात्र होते हैं। असली सत्ता मौलवी की होती है। मौलवी खामनेई के पास ही ईरान की असली सत्ता है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण किसी भी स्थिति में नहीं है। ईरान इस्राइल और अमेरिका के विनाश के लिए ही परमाणु बम हासिल करना चाहता है।

ईरान ही है दोषी और हिंसक

आचार्य श्रीहरि
मोबाइल : 9315206123

ईरान और इस्राइल युद्ध की कसौटी पर तीन प्रश्न अति महत्वपूर्ण हैं, जिन्हें जानना जरूरी है, तभी हम ईरान और इस्राइल युद्ध की आवश्यकता और अनावश्यकता को चिन्हित कर सकते हैं। सबसे पहले तो इस अवधारणा को भी अस्वीकार कर लीजिये कि हमेशाा शांति और सदभाव से ही किसी भी समस्या का समाधान हो सकता है। कभी-कभी हिंसा के बल पर भी शांति और सदभाव सुनिश्चित होती है। इसका सीधा उदाहरण अमेरिका और जापान है। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान हिट्लर के समूह में था और जापान ने बिना कुछ सोचे-समझे अमेरिका पर हमला कर दिया, जबकि अमेरिका की तटस्थता थी और वह प्रत्यक्ष तौर पर दूसरे विश्व युद्ध में शामिल नहीं था, अप्रत्यक्ष तौर पर वह ब्रिटेन को जरूर मदद कर रहा था, ब्रिटेन को हथियार आपूर्ति कर रहा था। अमेरिका ने अपने ऊपर हमले का बहुत बडा प्रतिकार लिया, जापान के दो प्रमुख शहरो नागाशाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिरा दिया। भयंकर रक्तपात हुआ और फिर जापान अहिंसक देश बन गया। हथियार त्याग दिया, युद्ध छोड़ दिया, सेना रखना बंद कर दिया, सिर्फ रचनात्मकता अपनायी और अपने को आर्थिक शक्ति बनाया। आज जापान दुनिया की छठे नंबर की अर्थव्यवस्था है। जापान और अमेरिका आज अमिट मित्र हैं। कहने का अर्थ यह है कि दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति कोई गांधी-बुद्ध के अहिंसक उद्घोषों नहीं हुई थी, शांति की अपील से नहीं हुई थी, कोई सार्थक संवाद और समझौते से नहीं हुई थी बल्कि अमेरिका के बम वर्षा से उत्पन्न कारणों से हुई थी, जापान, जर्मनी, इटली के मित्र देशों की पराजय और विनाश हुई थी। इसके पीछे हथियारों की हिंसा थी, रक्तपिशाचुओं के संहार के पीछे भी जवाबी हिंसा थी, जवाबी युद्ध था। सबसे खास बात यह है कि दुनिया भर की मुस्लिम आतंकी संगठन जवाबी और प्रतिकार वाली हिंसा से ही नियंत्रित रहते हैं।

अब यहां यह प्रश्न उठता है कि तीनों अतिआवश्यक प्रश्नों की कसौटी क्या है? एक प्रश्न ईरान का आतंकी संगठनों की मददगार और संरक्षणकारी हमले की भूमिका और दूसरा प्रश्न अल्ला की मर्जी और तीसरा प्रश्न इस्लाम काफिर मानसिकताएं। क्या ईरान की आतंकी भाषा और समर्पण ओझल है, अप्रत्यक्ष है? साक्षात है और प्रत्यक्ष है। हमास को उसने संरक्षण नहीं दिया था क्या? हमास को उसने आर्थिक सहायता नही दी थी क्या? हमास को हमले के लिए हथियार ईरान ने नहीं दिये थे क्या? इस्राइल के ढाई हजार से अधिक निर्दोष लोगों को गाजर मूली की तरह काटने, बच्चियों और महिलाओं के साथ बलात्कार करने, महिलाओं के शवों के साथ बर्बरता करने और महिलाओं के शवों के साथ बलात्कार करने जैसी घृणात्मक और मानवता को शर्मसार करने वाली मानसिकताओं का ईरान ने समर्थन नहीं किया था क्या? हूती आतंकियो को खडा कर समुद्री मार्गो को हिंसा और आतंक का पर्याय ईरान ने नहीं बनाया है क्या? हूतियों और अन्य मुस्लिम आतंकियों को ललकार और रॉकेट लांचर उपलब्ध करा कर ईरान ने समुद्र मार्ग को न केवल प्रभावित कर दिया बल्कि खर्चीला भी बना दिया। समुद्री मार्ग बदलने से मानवीय जरूरतों की समस्याएं खडी हैं, महंगी हुई हैं, इसका दुष्प्रभाव सिर्फ इस्राइल को उठाना पड़ा है, ऐसा नहीं है, इसका दुष्प्रभाव तो अमेरिका और भारत पर भी पडा है। अमेरिका को समुद्री मार्ग पर जगह-जगह नौ सेनाएं खडी करनी पडी है, भारत को भी अपने समुद्री जहाजों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त नौ सेनाओं की तैनाती करने के लिए बाध्य होना पडा है।

इस्लामिक हिंसक व वर्चस्व की मानसिकता का ही प्रतिनिधित्व ईरान करता है। किसी भी मुसलमान से यह पूछ लीजिये फिर उनका जवाब सुन लीजिये। किसी मुसलमान से पूछिये कि हमास और अन्य मुस्लिम आतंकी संगठन किसकी मर्जी से हिंसक शक्ति रखते हैं फिर इनका जवाब होता है कि ये अल्ला की शक्ति है, अल्ला की शक्ति और मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिल सकता है। फिर इनसे पूछिए कि जब अल्ला की शक्ति सर्वश्रेष्ठ और अद्वितीय है और अल्ला की मर्जी के बिना पत्ता भी नहीं हिल सकता है तो फिर ईरान की बर्बादी की कहानी इस्राइल किसकी मर्जी से लिख रहा है, इस्राइल की मिसाइलें किसकी मर्जी से ईरान के सैनिक कंमाडरों और परमाणु बमों का संहार कर रही हैं, तेल भंडारों पर प्रहार कर रही हैं? क्या यह सब इस्राइल अल्ला की मर्जी से कर रहा है? अगर इस्राइल अल्ला की मर्जी के खिलाफ यह सब कर रहा है तो फिर निश्चित तौर पर अल्ला की शक्ति बडी नहीं है, इस्राइल की ही शक्ति बडी है और प्रहारक भी है। ईरान की काफिर सोच के कारण ही उसकी इस्राइल दुश्मनी है। कुरान में काफिर को मारने, धमकाने और उनकी बहू-बेटियों की इज्जत लूटने और रखैल बनाने का आदेश है। इस्राइल अगर काफिर देश नहीं होता तो फिर ईरान का दुश्मन भी इस्राइल नहीं होता। ईरान फिर हमास और हिजबुल्लाह को इस्राइल के खिलाफ सक्रिय ही नहीं रखता और न ही हथियार और आर्थिक मदद देता। अगर इस सिद्धांत की परीक्षण आप करना चाहते हैं तो फिर किसी भी मुसलमान से पूछ लीजिये कि कुरान में काफिर को मारने का अधिकार है, और ईरान भी काफिर इस्राइल से जंग लड रहा है? इसके उत्तर में चालाक लोग चुप्पी साध लेंगे और अन्य मुस्लिम इसके समर्थन में जवाब देंगे। भारत के कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों को इस्लाम की प्रहरी बताया गया था, मुस्लिम आतंकियों द्वारा धर्म पूछ पूछ कर मारने की घटना को इस्लामिक पुण्य करार दिया गया था। ऐसे बयान और ऐसे वीडीओ सोशल मीडिया पर हजारों की संख्या में थे। कुछ साल पहले मलेशिया के शासक ने इस्राइल का नामोनिशान मिटाने का आह्वान मुस्लिम दुनिया से किया था। हालांकि बाद में मलेशिया के सुर बदल गये, ईरान की तरह हिंसक होना मलेशिया ने इनकार कर दिया था। अभी-अभी भारत और पाकिस्तान युद्ध को ही कसौटी पर देख लीजिये। फिर आपको काफिर मानसिकता की हिंसक गोलबंदी दिखायी देगी। तुर्की और अजरबैजान ने काफिर मानसिकता के कारण ही पाकिस्तान का साथ दिया और भारत के खिलाफ युद्ध लडने का काम किया।

फिलिस्तीन मुसलमानों की धरती है, यह मानसिकता भी आतंकी और हिंसक है और धृणित है। यह मानसिकता ही मुस्लिम-यहूदी युद्ध का कारण है और पर्याय है। फिलिस्तीन कभी भी मुस्लिमों की धरती नहीं रही है। इस्लाम की स्थापना कब हुई है? यहूदियों की स्थापना के कई सौ साल बाद इस्लाम का उदय हुआ है। फिलिस्तीन में यहूदियों का राज था और यरूशलम में यहूदी और ईसाई रहते थे। इस्लाम और यहूदियों के बीच कबीला युद्ध हुए। मुसलमानों ने फिलिस्तीन पर कब्जा कर लिया। यहूदियों को अपनी भूमि पर लौटने और अपना देश बनाने का अधिकार था। अमेरिका और यूरोप की मेहरबानी हुई और फिर आगे की कहानी स्पष्ट है। आज मुसलमानों को फिलिस्तीन में यहूदियों के साथ रहना पसंद नहीं है। जैसे भारत में मुसलमानों ने हिन्दुओं के साथ रहना पसंद नहीं किया था, पाकिस्तान अलग देश बनाया था और अब भारत में हिन्दुओं का संहार भी कर रहे हैं।

ईरान से इस्राइल को अस्तित्व खतरा है। ईरान में मजहबी तानाशाही है। ईरान में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सिर्फ हाथी के दांत होते हैं, खिलौने होते हैं, मनोरंजन के पात्र होते हैं। असली सत्ता मौलवी की होती है। मौलवी खामनेई के पास ही ईरान की असली सत्ता है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण किसी भी स्थिति में नहीं है। ईरान इस्राइल और अमेरिका के विनाश के लिए ही परमाणु बम हासिल करना चाहता है। जिस तरह इस्लामिक आतंकियों की पहुंच अमेरिकी विमानो तक हुई और फिर मुस्लिम आतंकियों ने अमेरिकी वल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला कर उसके वैभव और समृद्धि का नामोनिशान मिटा दिया था उसी प्रकार अगर ईरान ने परमाणु बम हासिल किया तो फिर परमाणु बम तक पहुंच हमास और हिज्बबुल्लाह जैसे मुस्लिम संगठनों की होगी फिर इस्राइल का नामोनिशान मिटना तय है। इसलिए इस्राइल का प्रहार और प्रतिकार अनिवार्य है। यह भी तय है कि इस्राइल किसी भी स्थिति मे ईरान की हिंसक नीति का दमन कर ही दम लेगा। ईरान की बर्बादी भी तय है। ईरान संयम से रहें और अनावश्यक हिंसा और युद्ध के लिए कारण न बनें। लेकिन ईरान अब सिर्फ और सिर्फ अपनी बर्बाद की कहानी खुद लिख रहा है।

नजरिया

धर्मोपदेशक, महान योद्धा व कुशल संगठनकर्त्ता गुरु हरगोविंद सिंह

अशोक प्रवृद्ध

सिखों के षष्ठम गुरु हरगोविंद सिंह मुगलों से संग्राम के लिए एक मजबूत सिख सेना का संगठन करने और मुगलों के साथ 1606 ईस्वी में हुए संग्राम में बलिदान को प्राप्त पिता गुरु अर्जुन सिंह के निर्देशानुसार सिख पंथ को योद्धा चरित्र प्रदान करने वाले दलभंजन योद्धा, गुरु के रूप में नित्य स्मरणीय हैं, जिन्होंने धर्मोपदेशक, कुशल संगठनकर्ता और पंथ की गुरुता के कर्तव्यों को बखूबी निभाया। परोपकारी योद्धा गुरु हरगोविंद सिंह का जन्म भारत के बडाली में 14 जून सन 1595 ईस्वी को गुरु अर्जुन सिंह के यहां उनकी पत्नी माता गंगा के कोख से हुआ था। जहांगीर के आदेशानुसार पंचम गुरु अर्जुन सिंह को फांसी दे दिए जाने के बाद प्रतीक स्वरूप अस्त्र-शस्त्र धारण कर हरगोविंद सिंह 25 मई 1606 ईस्वी को सिखों के छठे गुरु के रूप में गुरु के तख़्त पर बैठे। और तब से लेकर 28 फ़रवरी 1644 ईस्वी तक गुरु पद पर पदासीन रहे। गुरु हरगोविन्द की शिक्षा- दीक्षा महान विद्वान भाई गुरदास की देख-रेख में हुई। गुरु को बराबर उनके दादा बाबा बुड्ढाजी का भी आशीर्वाद प्राप्त रहा। गुरु ने धर्म, संस्कृति एवं इसकी आचार-संहिता में अनेक ऐसे परिवर्तनों को अपनी आंखों से देखा, जिनके कारण सिख धर्म अपनी जड़ें मजबूत कर रहा था। विरासत के इस महान पौधे को गुरु हरगोविन्द ने अपनी दिव्यदृष्टि से सुरक्षा प्रदान की तथा उसे फलने-फूलने का अवसर प्रदान किया। अपने पिता गुरु अर्जुनदेव के बलिदानी आदर्श को उन्होंने न केवल अपने जीवन का उद्देश्य माना, बल्कि उनके द्वारा प्रारंभ किए गए महान कार्यों को सफलतापूर्वक निष्पादित करने के लिए आजीवन अपनी प्रतिबद्धता भी दिखलाई। आवश्यकतानुसार गुरु हरगोविंद ने शस्त्र- शास्त्र की शिक्षा भी ग्रहण की। उन्होंने अपना अधिकतर समय युद्ध प्रशिक्षण एवं युद्ध कला में लगाया और तलवार बाजी, कुश्ती व घुड़सवारी में कुशल, दक्ष व पारंगत हो गए। विभिन्न प्रकार के शस्त्र चलाने का उन्हें अद्भुत अभ्यास था। उनका चिंतन भी क्रांतिकारी था। उनकी इच्छा थी कि सिख जाति शांति, भक्ति एवं धर्म के साथ-साथ अत्याचार एवं जुल्म का मुकाबला करने के लिए भी सशक्त बने। वह अध्यात्म चिंतन को दर्शन की नई भंगिमाओं से जोडना चाहते थे। वे केवल धर्मोपदेशक ही नहीं, वरन महान योद्धा व कुशल संगठनकर्ता भी थे। उन्होंने अपने अनुयायियों को शस्त्र धारण करने के लिए प्रेरित कर छोटी सी सेना इकट्ठी कर ली। तमाम विरोध के बावज़ूद हरगोविंद सिंह ने अपनी सेना संगठित की और अपने शहरों की क़िलेबंदी की।

गुरु हरगोविंद के पूर्व सिख पंथ निष्क्रिय प्राय था। जहांगीर के हाथों अपने गुरु अर्जुनदेव की दिल दहला देने वाली क्रूरता व यातना पूर्ण हत्या ने शांतिप्रिय और अपनी ईश्वरभक्ति में लीन रहने वाले सिखों की आंखें खोल कर रख दी। उन्हें यह मालूम हो गया कि एकांत में माला जपने अथवा मंदिर में जाकर पूजा-पाठ कर लेनें भर से न तो धर्म का प्रभाव बढ़ने वाला है और न ही समाज की रक्षा ही होने वाली है। इस घटना नें दुनिया के इस चलन को उन्हें भली-भांति समझा दिया। उस समय हरिमंदिर में आध्यात्मिक प्रवचन देने का प्रचलन था, लेकिन तत्कालीन परिस्थिति में सत्ता और मजहब के विस्तार के लिए काफिरों के साथ छल-कपट, और उनके रक्तपात को जायज़ मानकर चलने वाले विदेशी हमलावरों के सम्मुख अब सिर्फ इससे काम चलने वाला नहीं था। इस असंतुलन को मिटाते हुए हरगोविंद सिंह नें अमृतसर में हरिमंदिर के सामने ही ईसवीं सन 1606 में अकाल-तख़्त का निर्माण किया, इसमें संयुक्त रूप से एक मंदिर और सभागार बनवाया, जिसमें सिख राष्ट्रीयता से संबंधित आध्यात्मिक व सांसारिक मामलों को निष्पादन किया जा सकता था। वहां से नित्य भौतिक जगत के यथार्थ पर भी प्रवचन दिए जाने लगे, जिससे कि अनुयायियों के बीच संगठन और एकत्व के भाव प्रबल हों। हरगोविंद सिंह नें सामूहिक प्रार्थना की एक ऐसी दुर्लभ परंपरा शुरू की, जिसमें उंच-नीच, धनी - निर्धन के भेद-भाव का कोई स्थान न था।

अपनी अदम्य लड़ाकू प्रवृति, मजबूत कद काठी व अन्याय का बदला हर हाल में लेने के स्वभाव के लिए मशहूर जाटों को भी उन्होंने दूरदृष्टि रखते हुए बड़ी संख्या में सिख धर्म में दीक्षित किया। गुरु हरगोविंद ने गुरुपद धारण करते ही गुरु के द्वारा दो तलवार धारण करने की परंपरा शुरू की- पीरी और मीरी। पीरी जहां आध्यात्मिकता की प्रतीक थी, तो मीरी भौतिक संपन्नता की। मीरी और पीरी की दोनों तलवारें उन्हें बाबा बुड्ढाजी ने पहनाई। इस परंपरा को देखकर गुरु के साथ ही उनके शिष्य भी इस परंपरा के

वाहक बने। गुरु हरगोविंद सिंह के द्वारा सिख धर्म में समावेश किए गए इन बदलावों से सिखों के इतिहास में वे नए युग का सूत्रपात्र करने वाले सिद्ध हुए। इनके द्वारा सिखों में डाली गई क्षात्रत्व की परंपरा के कारण ही कालांतर में सिखों के दसवें व अंतिम गुरु गोविन्द सिंह और उनके बाद महाराजा रणजीत सिंह तथा उनके निष्ठावान सैनिकों में शौर्य और पराक्रम का भाव देखने को मिलता है। तत्कालीन समाज में व्याप्त परंपरा में क्रांतिकारी परिवर्तन लाते हुए हरगोविंद नें मंदिर में मिठाई और फूल के साथ-साथ घोड़े,अस्त्र-शस्त्र और धन चढ़ावे के रूप में लाने पर बल दिया, ताकि समाज में सामरिकता की भावना जागृत हो, निर्मित हो। साथ ही समर्पित और वेतन-प्राप्त दोनों ही प्रकार के सैनिकों से युक्त एक सेना तैयार करना शुरू की। और अमृतसर की सुरक्षा के लिए लौहगढ़ किले का निर्माण भी किया।

उन्होंने बड़ी कुशलता से अपने अनुयायियों में युद्ध के लिए इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास पैदा किया। गुरु हरगोविंद की प्रेरणा से संचालित इन कार्यों के लिए देश के विभिन्न भागों की संगत ने भेंट स्वरूप शस्त्र एवं घोडे देने प्रारम्भ किए। अकाल तख्त पर कवि और ढाडियों ने गुरुयश व वीर योद्धाओं की गाथाओं का गायन प्रारंभ किया। इससे लोगों में मुगल सल्तनत के प्रति विद्रोह जागृत होने लगा। गुरु हरगोविंद नानक राज स्थापित करने में सफलता की ओर बढने लगे। जहांगीर ने सिखों की मज़बूत होती हुई स्थिति को ख़तरा मानकर गुरु हरगोबिंद सिंह को ग्वालियर में क़ैद कर लिया। गुरु हरगोबिंद सिंह बारह वर्षो तक क़ैद में रहे, लेकिन उनके प्रति सिखों की आस्था और मज़बूत हुई। अंतत: मुग़लों का विरोध करने वाले भारतीय राज्यों के ख़िलाफ़ सिखों का समर्थन प्राप्त करने के उद्देश्य से जहांगीर पीछे हटा और 1619 ईस्वी में दीवाली के दिन गुरु और उनके 52 साथियों के साथ मुक्त कर दिया। यही कारण है कि सिखों में दीवाली को बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन हरगोबिंद ने यह भांप लिया था कि मुग़लों के साथ संघर्ष का समय नज़दीक है। इसलिए उन्होंने अपनी पुरानी युद्ध नीति जारी रखी। उन्होंने मुगलों के ख़िलाफ़ बगावत कर दी। जहांगीर की मृत्यु 1627 ईस्वी में होने के बाद नए बादशाह शाहजहां ने उग्रता से सिखों पर अत्याचार शुरू किया। अपने जीवन मूल्यों पर दृढ़ रहते हुए और मुग़लों की अजेयता को झुठलाते हुए गुरु हरगोविंद के नेतृव्य में सिखों ने चार बार शाहजहां की सेना को मात दी और सिखों के समक्ष यह आदर्श प्रस्तुत किया कि उनका यह अधिकार और कर्तव्य है कि आवश्यकता पड़ने पर तलवार उठाकर भी अपने धर्म की रक्षा करें।

गुरु हरगोविंद युद्ध के दौरान सदैव शांत, अभय एवं अडोल रहते थे। उनके पास इतनी बडी सैन्य शक्ति थी कि मुगल सिपाही प्राय: भयभीत रहते थे। गुरु हरगोविंद ने अपने व्यक्तित्व और कृतित्व से एक ऐसी अदम्य लहर पैदा की, जिसने आगे चलकर सिख संगत में भक्ति और शक्ति की नई चेतना पैदा की। गुरु हरगोविंद ने अपनी सूझ-बूझ से गुरु घर के श्रद्धालुओं को सुगठित कर सिख-समाज को नई दिशा भी प्रदान की। परोपकारी योद्धा गुरु हरगोविंद का जीवन दर्शन जनसाधारण के कल्याण से जुडा हुआ था। यही कारण है कि उनके समय में गुरमतिदर्शन राष्ट्र के कोने-कोने तक पहुंचा। हरगोविंद प्राय: पंजाब से बाहर भी सिख धर्म के प्रचार हेतु अपने शिष्यों को भेजा करते थे। गुरु हरगोविंद ने जीवन दर्शन को सम सामयिक समस्याओं से केवल जोडा ही नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवन दृष्टि का निर्माण भी किया जो गौरवपूर्ण समाधानों की संभावना को भी उजागर करता था। सिख लहर को प्रभावशाली बनाने में गुरु हरगोविंद का अद्वितीय योगदान रहा। अपनी मृत्यु से ठीक पहले गुरु हरगोविंद ने अपने पोते गुरु हर राय को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त किया। सन 1644 ईस्वी में कीरतपुर (पंजाब) भारत में गुरु हरगोविंद की मृत्यु हो गई।

महत्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहा है पर्यटन

पहलगाम (जम्मू कश्मीर)/भाषा

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के करीब दो महीने बाद पर्यटन कारोबार धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और ईद की छुट्टियों के बाद स्थानीय लोगों और पंजाब से कुछ लोगों ने चरवाहों की घाटी में आना शुरू कर दिया है।

ईद के तीसरे दिन घाटी के अन्य भागों से बड़ी संख्या में कश्मीरी पहलगाम पहुंचे, जिससे यहां पर्यटन व्यापार से जुड़े लोग काफी खुशी हैं। यह पर्यटन स्थल श्रीनगर से 100 किलोमीटर दूर है।श्रीनगर के एक युवा नबील भट ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम हर साल पहलगाम जाते रहे हैं, भले ही वहां पर्यटकों की भीड़ हो या नहीं। इस साल भी कुछ अलग नहीं था। हालांकि, इस बार हमारा ज्यादा सत्कार किया गया।भट पहलगाम के स्थानीय लोगों द्वारा पर्यटकों पर दिए जाने वाले विशेष ध्यान तथा अधिकांश सेवाओं की बेहद कम कीमतों का उल्लेख कर रहे थे। यहां से छह किलोमीटर दूर बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में पर्यटन गतिविधियां थम गयी थीं। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय सेवा प्रदाता शामिल था।

श्रीनगर के सिविल लाइंस क्षेत्र की निवासी अलीना जान ने कहा, इस बार सेवा प्रदाता स्थानीय लोगों के प्रति अधिक मित्रवत हैं... पिछले वर्षों में ऐसा नहीं था, जब बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते थे।

अधिकांश स्थानीय पर्यटक इस बात से खुश हैं कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम में पार्क खोलने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इससे इस स्थान पर अधिक लोग आकर्षित होंगे।एक 'टूरिस्ट हट' के मालिक मोहम्मद इशाक ने कहा, मौखिक प्रचार से बेहतर कोई विज्ञापन नहीं है....कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से लोग ईद के तुरंत बाद यहां आना शुरू हो गए थे, लेकिन संख्या में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई, क्योंकि सभी पार्क बंद होने के कारण उनके पास बैठने के लिए कोई जगह नहीं थी। हमें उम्मीद है कि अब इसमें बदलाव आएगा, क्योंकि उपराज्यपाल ने शनिवार को घोषणा की है कि पार्क फिर से खोले जाएंगे। इशाक ने कहा कि पिछले 10 दिनों में अन्य राज्यों से भी कुछ पर्यटक पहलगाम पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि उनमें से अधिकतर पंजाब से आए पर्यटक थे और वे निराश थे, क्योंकि वे पहलगाम की सुंदरता का आनंद नहीं ले पाए, जिसके लिए यह प्रसिद्ध है। एक खच्चर वाले मोहम्मद रमजान ने कहा कि उनके समुदाय को उम्मीद है कि पहलगाम में पर्यटकों की बढ़ती संख्या जारी रहेगी।

उन्होंने कहा, हमारी कमाई का मुख्य वक्त बीत गया है....लेकिन हमें उम्मीद है कि सर्दियों के शुरू होने से पहले अगले कुछ महीनों में अधिक स्थानीय लोग (कश्मीरी) हमारे पास आएंगे। इससे कुछ नुकसान की भरपाई हो सकती है।

ईरान के साथ एकजुटता से खड़ा है पाकिस्तानः प्रधानमंत्री शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा

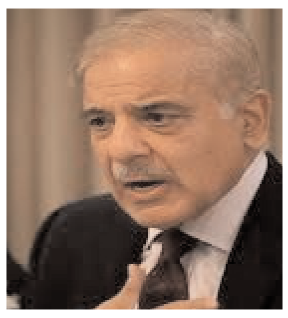

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात कर एकजुटता व्यक्त की और इजराइल के हमले को ''स्पष्ट तौर पर उकसावे का कृत्य'' बताया।

इजराइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमले किए। हमलों में कई वरिष्ठ सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। बाद में ईरान ने भी जवाबी हमले किए।

शरीफ ने शनिवार को पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत में ईरान के खिलाफ इजराइल के हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमला ईरान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर एवं अंतराष्ट्रीय कानून का पूर्ण उल्लंघन है। शरीफ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियन से बात की और इजराइल के अकारण आक्रमण के सामने ईरान के लोगों के साथ पाकिस्तान की अटूट एकजुटता व्यक्त की।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार है। उन्होंने इजराइल के हमलों को क्षेत्रीय, वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताया।

'रेडियो पाकिस्तान' ने अपनी खबर में बताया कि उन्होंने फलस्तीनियों के खिलाफ इजराइल के लगातार ''नरसंहार'' अभियान की भी कड़ी निंदा की।

प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया कि वे इजराइल के ''आक्रामक रुख और उसके अवैध कृत्यों'' पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल एवं प्रभावी कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संदर्भ में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति पेजेशकियन ने इस कठिन समय में, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के साथ पाकिस्तान के समर्थन और एकजुटता के लिए प्रधानमंत्री शरीफ को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि शरीफ का यह भाव दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों को दर्शाता है।

रवानगी

मौली चैरिटेबल और मेडिकल ट्रस्ट के तहत स्वामी समर्थ मठ, दादर से डॉक्टर मुंबई में आषाढ़ी एकादशी तीर्थयात्रा के दौरान भक्तों की सेवा करने के लिए पंढरपुर के लिए रवाना हुए।

पिता को सुपरहीरो मानती है इशिता गांगुली

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री इशिता गांगुली अपने पिता को सुपरहीरो मानती है। फादर्स डे के खास मौके पर शेमारू उमंग के शो बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन में चमकीली का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री इशिता गांगुली ने अपने पिता से जुड़ी कुछ भावुक यादें साझा की और अपनी ज़िंदगी में उनके महत्व को बयाँ किया। इशिता गांगुली ने कहा, मेरे पापा ने हमेशा मुझे सपोर्ट किया है। वे बिना कुछ कहे हर दिन मेरे लिए बहुत कुछ करते हैं। मेरे लिए वे सिर्फ मेरे पापा नहीं, बल्कि मेरे सुपरहीरो हैं। मुझे आज भी याद है, वे हर सुबह मुझे स्कूल छोड़ने जाते थे और उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान होती थी। जो भी चीज मुझे पसंद आती थी, वे बिना माँगे मुझे लेकर देते थे। वे हमेशा मेरी जरूरतें मुझसे पहले समझ जाते हैं। उनकी मौजूदगी ही मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत है, वे मुझे हर मुश्किल से बचाने के लिए हमेशा खड़े रहते हैं।

इशिता ने कहा,एक पिता बिना कहे सब कुछ कर जाते हैं। पापा ने कभी कुछ बदले में नहीं माँगा। उन्होंने सिर्फ मेरी खुशी के लिए अपने कितने ही सपनों को त्याग दिया। चाहे वह देर रात तक जागकर मुझे पढ़ाई में मदद करना हो या फिर मेरी पसंद की कोई चीज़ चुपचाप लाकर देना हो, उनकी हर बात में उनका प्यार और स्नेह झलकता है।

मेरे पिता मेरे जीवन का आशीर्वाद हैं, जो मुझे हिम्मत, प्यार और दुनिया का सामना करने का आत्मविश्वास देते हैं। इस साल मैं बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन की शूटिंग में व्यस्त रहूँगी, लेकिन फिर भी अपने पापा के लिए समय निकालकर उनके लिए कुछ खास करने की कोशिश करूँगी। ठीक उसी तरह जैसे वे मुझे हर दिन खास महसूस कराते हैं। बड़ी हवेली की छोटी ठकुराईन , हर सोमवार से शनिवार, रात 9:00 बजे, सिर्फ शेमारू उमंग पर प्रसारित होता है।

गायिका और गीतकार आस्था गिल और सर्बियाई नर्तकी और मॉडल नताशा स्टेनकोविक मुंबई में ग्लोबल आइकॉन जैक्सन वांग के साथ एक्सक्लूसिव नाइट में शिरकत करती हुईं।

इजराइल-ईरान संघर्ष और व्यापार युद्ध के साए में जी7 नेता कनाडा में जुटे

बैंफ (कनाडा)/एपी

दुनिया की कुछ सबसे बड़ी आर्थिक शक्तियों के नेता रविवार को कनाडा के रॉकीज में जी7 की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। यह सम्मेलन इजराइल- ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सहयोगियों और प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ लगाए जा रहे उच्च सीमा शुल्क की पृष्ठभूमि में हो रही है।

ईरान पर इजराइल के हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई ने कई वैश्विक नेताओं को हतप्रभ कर दिया है। उनका मानना है कि यह एक अधिक अस्थिर विश्व का नवीनतम संकेत है, क्योंकि ट्रंप अमेरिका को विश्व के 'पुलिसमैन' की भूमिका से मुक्त करना चाहते हैं। जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा रवाना होने से पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि उन्होंने संकट को कम करने के प्रयासों पर ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ-साथ अन्य वैश्वि नेताओं के साथ चर्चा की है। ब्रिटेन पश्चिम एशिया में लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य सहायता भेज रहा है।

स्टॉर्मर ने कहा, '' ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर हमारी चिंताएं लंबे समय से हैं। हम इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार को मान्यता देते हैं, लेकिन मैं इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट हूं कि इसे कम करने की जरूरत है। क्षेत्र विशेष समेत व्यापक स्तर पर तनाव बढ़ने का बहुत बड़ा खतरा है।''उन्होंने उम्मीद जताई कि शिखर सम्मेलन में ''गहन चर्चा'' जारी रहेगी।

शिखर सम्मेलन के मेजबान के रूप में, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बैठक के अंत में संयुक्त वक्तव्य या विज्ञप्ति जारी करने की वार्षिक परंपरा को छोड़ने का निर्णय लिया है। अन्य नेता ट्रंप से बात कर उन्हें शुल्क लगाने से रोकने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। इसलिए यह शिखर सम्मेलन एकता के प्रदर्शन के बजाय द्विपक्षीय वार्ताओं की श्रृंखला बनकर रह जाएगा।

ट्रंप शिखर सम्मेलन के केंद्र बिंदु में हैं। ट्रंप पहले कनाडा को 51वां राज्य बनाने और ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी दे चुके हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों रविवार को कनाडा जाने से पहले बेहद प्रतीकात्मक कदम के तौर पर ग्रीनलैंड पहुंचे, जहां उन्होंने आर्कटिक क्षेत्र के नेता और डेनमार्क के प्रधानमंत्री से डेनिश हेलीकॉप्टर में मुलाकात की।

मैक्रों के कार्यालय ने कहा कि ग्रीनलैंड की यात्रा इस बात की याद दिलाती है कि पेरिस संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सीमाओं की सुचिता बनाए रखने के सिद्धांतों का समर्थन करता है।

योग को बनाएं जीवन का हिस्सा, विश्व योग दिवस से पहले हेमा मालिनी की अपील

मुंबई/एजेन्सी

दिग्गज अभिनेत्री और मथुरा सांसद हेमा मालिनी ने हर साल 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी से योग करने का आग्रह किया है। इस वर्ष विश्व योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' को साझा करते हुए उन्होंने सभी से नियमित रूप से योग का अभ्यास करने की अपील की। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए योग को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि 21 जून को हर साल 'विश्व योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

हमारे मथुरा के लोग भी पूरे उत्साह के साथ इस दिन को मनाते हैं। इस वर्ष की थीम है - 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'। उन्होंने कहा, मेरी सभी से हार्दिक अपील है कि वे विश्व योग दिवस में भाग लें और योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। मैं भी हर दिन योग का अभ्यास करती हूं। योग के फायदों का जिक्र करते हुए हेमा मालिनी ने कहा कि योग से हम स्वस्थ शरीर के साथ-साथ खुशहाल मन भी पा सकते हैं। सभी लोग योग करें और स्वस्थ रहें।

पिछले महीने मन की बात कार्यक्रम के दौरान इस वर्ष की थीम की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने कहा था कि अब यह दिन योग के एक भव्य महोत्सव का रूप ले चुका है। यह भारत की ओर से मानवता को दिया गया ऐसा अमूल्य उपहार है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत उपयोगी होने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि आज योग और हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली के प्रति जिज्ञासा पूरी दुनिया में बढ़ रही है। बड़ी संख्या में युवा, स्वास्थ्य के उत्कृष्ट माध्यम के रूप में योग और आयुर्वेद को अपना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सामान्य योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व करेंगे।

अनुराग बसु की वजह से बदला अभिनय को लेकर मेरा नजरिया : फातिमा सना शेख

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख 'मेट्रो... इन दिनों' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने के अनुभव को आईएएनएस के संग साझा किया। बताया कि उन्हें इस बार पहले से ज्यादा आरामदायक और सहज महसूस हुआ। बता दें कि फातिमा ने इससे पहले अनुराग की फिल्म 'लूडो' में साथ में काम किया था, जो महामारी के बीच रिलीज हुई थी। फातिमा ने खास बातचीत में बताया कि उस समय वह एक्टर के तौर पर असुरक्षित महसूस कर रही थीं। लेकिन जब वह सेट पर पहुंचीं, तो सब बदल गया। अनुराग बसु के काम करने के तरीके से वो काफी रिलैक्स रहीं।

फातिमा ने कहा, जब आप उनके काम करने के तरीके के सामने खुद को पूरी तरह छोड़ देते हो, तो आप बेफिक्र महसूस करते हो। आप ज्यादा सोचते नहीं, बल्कि अपने अंदर की आवाज पर भरोसा करते हो। यही मैंने महसूस किया।

मुझे 'लूडो' करते वक्त समझ आया कि मुझे क्या करना है। उस वक्त मैं एक्टर के तौर पर असुरक्षित महसूस कर रही थी, लेकिन सेट पर पहुंचकर सब बदल गया। अनुराग ने मुझसे कहा, 'अपने आप पर शक करना बंद करो। जो तुम कर रही हो वह सही है।' उन्होंने आगे कहा, जब ऐसी बात अनुराग बसु जैसे बड़े निर्देशक की ओर से आती है, तो यह बड़ी बात होती है। उन्हें शायद पता नहीं कि उनके शब्दों का कितना असर होता है। मेरे जैसे नए एक्टर के लिए ये बात मेरे काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल गई।

फातिमा ने कहा, इस बात ने मेरी बहुत मदद की। मुझे लगता है कि मैं 'लूडो' की तुलना में थोड़ा बेहतर एक्ट्रेस बन गई हूं। इसलिए इस बार काम करना मेरे लिए ज्यादा आसान था। उस वक्त भी काम आसान था, क्योंकि मैं पूरी तरह खुद को समर्पित कर चुकी थी। लेकिन इस बार मुझे लगता है कि मेरे पास अपने अभिनय पर थोड़ा ज़्यादा नियंत्रण है।

'मेट्रो... इन दिनों' फिल्म को गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने पेश किया है। यह फिल्म अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर बनाई गई है। इस फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु, और तानी बसु हैं। यह फिल्म सिनेमाघरों में 4 जुलाई को रिलीज होगी।

दुनिया के लिए खुद को मत बदलो : जोनिता गांधी

मुंबई/एजेन्सी

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने अपना नया गाना 'बेपरवाई' रिलीज किया है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए इस गाने के बारे में विस्तार से बताया। सिंगर ने बताया कि यह गाना उस एहसास को दिखाता है जब इंसान बेफिक्र हो जाता है, उसे इसकी परवाह बिल्कुल भी नहीं होती कि दुनिया उसके बारे में क्या सोचती है। जोनिता गांधी ने बताया कि उनका गाना 'बेपरवाई' कैसे बना। उन्होंने कहा, ''इस गाने का विचार टोरंटो में एक म्यूजिक सेशन के दौरान आया था। उस दिन मेरा मूड कुछ ऐसा था, मैं दुनिया को लेकर थोड़ी निराशा और चिढ़ सी महसूस कर रही थी। मुझे लग रहा था कि हम कई बार दूसरों की राय में उलझ जाते हैं, और खुद को भूल जाते हैं। फिर मेरे मन में ख्याल आया कि अब और नहीं, अब बेफिक्र होकर जीना है, बिना इस डर के कि लोग क्या कहेंगे। इसी सोच से गाने का कोरस बना, जो कहता है, 'अब मैं बस बेपरवाह हूं', मैं यह सुनिश्चित करना चाहती थी कि यह गाना मेरी पहचान से जुड़ा हो, ताकि सुनने वालों को लगे कि 'हां, ये एक जोनिता गांधी का गाना है।'

जोनिता गांधी ने आगे कहा, ''इस गाने को मैंने अपने अंदाज में गाया और पेश किया है। इसमें मैंने अपनी पहचान और गाने की खास स्टाइल को बनाए रखा, ताकि यह गाना भी बाकी उनके गानों की तरह ही लगे। गाने में भी मैंने सॉफ्ट टोन का इस्तेमाल किया, जैसे मैं हर गाने में करती हूं।

इस गाने को बनाने में मेरे साथ म्यूजिक प्रोड्यूसर एरिजा ने काम किया। मैंने पहले भी उनके साथ कई बार काम किया है। उन्होंने गाने के म्यूजिक को इस तरह तैयार किया, जो हर एक शब्द के फील को बढ़ाता है।'' जोनिता ने बताया कि उनका गाना पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से बनाया गया है। इसमें कोई लाइव इंस्ट्रूमेंट, जैसे गिटार, तबला, ड्रम वगैरह इस्तेमाल नहीं किए गए हैं। इसमें म्यूजिक और बीट्स कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर से तैयार किए गए हैं।

उन्होंने कहा, जहां तक मुझे पता है, इस गाने में कोई भी लाइव इंस्ट्रूमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यह पूरा गाना इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक से तैयार किया गया है। गाना काफी जोशीला और मस्तीभरा है। जोनिता ने आखिर में कहा, इस गाने के जरिए मेरा सबको एक मैसेज है, कि आप जैसे हो, वैसे बिल्कुल ठीक हो। खुद को बदलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए सिर्फ इसलिए कि दुनिया क्या सोचती है। कई बार हम दूसरों की राय में उलझ जाते हैं और अपनी खुशी भूल जाते हैं। हमें वो करना चाहिए जो हमें अच्छा लगे और जिससे हम खुश रहें। 'बेपरवाई' सभी बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीज़न के लिए रोमांचित हैं रवि दुबे

मुंबई/एजेन्सी

टीवी के जानेमाने कलाकार रवि दुबे और सरगुन मेहता 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीज़न के लिए रोमांचित हैं। सोनी एंटरटेनमेंट टेलिविजन के पसंदीदा शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीज़न का प्रोमो सामने आ चुका है, जिसमें दर्शकों को एक नई ऑनस्क्रीन जोड़ी, ऋषभ और भाग्यश्री से मिलवाया गया है।

यह जोड़ी पहले ही लोगों के दिल जीत रही है। नए सीज़न को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है, क्योंकि ये शो एक बार फिर टीवी पर रोमांस की वापसी करने जा रहा है।

इसी बीच, टेलीविज़न के पावर कपल रवि दुबे और सरगुन मेहता, जो ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन अपनी केमिस्ट्री के लिए जाने जाते हैं, 'बड़े अच्छे लगते हैं' के नए सीज़न को लेकर अपनी दिल छू लेने वाले रिएक्शन की वजह से सुर्खियों में हैं।

किताबों से नहीं, असली अभ्यास से बेहतर होती है एक्टिंग : सौंदर्या शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

'हाउसफुल 5' की एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा का मानना है कि एक्टिंग सीखने का सबसे अच्छा तरीका है, असलियत में एक्टिंग करना। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी किताबें पढ़ लो या बातें सुन लो, लेकिन अभिनय की समझ और कला सिर्फ अभ्यास से ही बेहतर होती है। सौंदर्या ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने थिएटर और सिनेमा, दोनों में काम किया है। साथ ही दोनों जगहों के अनुभव को साझा किया। सौंदर्या ने दिल्ली के नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) में वर्कशॉप किया है। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिका के लॉस एंजेलिस में ली स्ट्रासबर्ग थिएटर में पढ़ाई की और वहां एनवाईएफए से एक्टिंग का कोर्स भी किया है। उन्होंने कहा कि वह थिएटर और सिनेमा दोनों में अभी नई हैं।

वह अभी भी सीख रही हैं कि इस इंडस्ट्री में काम कैसे होता है और चीजें कैसे चलती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, थिएटर और सिनेमा पर काम करना अलग होता है। थिएटर में जब आप एक्टिंग करते हो, तो आपको स्टेज के आखिरी कतार में बैठे लोगों तक अपनी बात पहुंचानी होती है। वहां हर भावना, हर किरदार को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना होता है। उन्होंने आगे कहा, भावनाएं तो वही होती हैं, लेकिन उन्हें दिखाने का तरीका अलग होता है। 'हाउसफुल 5' पूरी तरह से अलग फिल्म है। इसमें ज्यादा अलग-अलग भावनाएं नहीं हैं। इसमें खुशी और मस्ती का माहौल रहता है, जैसे रोजमर्रा की जिंदगी में होता है। लेकिन हां, जब मैं और काम करूंगी, तो बहुत कुछ सीख पाऊंगी। इंसान सिर्फ काम करके ही अच्छा बनता है। एक्टिंग सीखने से नहीं, बल्कि असलियत में करने से आती है और अभ्यास से बेहतर होती है। यह मेरी राय है। इससे पहले आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सौंदर्या ने बताया था कि उनके लिए 'लाल परी' का खिताब क्या मायने रखता है। उन्होंने अपने जवाब में कहा था, जब कहीं से कोई अचानक कहता है, 'अरे देखो, लाल परी सौंदर्या', तो यह सुनकर अच्छा लगता है। इस टाइटल ने मुझे नई पहचान दी है। इससे ऐसा लगता है जैसे लोग मेरे काम को सच में पसंद कर रहे हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। जब उनके 'लाल परी' टाइटल की तुलना मलाइका अरोड़ा की 'मुन्नी बदनाम' और कैटरीना कैफ की 'शीला की जवानी' से की गई थी, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा था, आप जिन दो कलाकारों की बात कर रहे हैं, वे मेरी सीनियर्स हैं। उनसे मेरी तुलना होना बहुत बड़ी बात है। मेरा सफर तो अभी शुरू ही हुआ है। मैं ज्यादा अच्छा काम करना चाहती हूं, ताकि लोगों से मुझे ऐसे ही ढेर सारा प्यार मिलता रहे।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

टीपीएफ बेंगलूरु सेन्ट्रल व वेस्ट शाखा ने मनाया 16वां स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम(टीपीएफ) बेंगलूरु सेन्ट्रल व वेस्ट शाखा ने संयुक्त रूप से रविवार को हनुमंतनगर तेरापंथ सभा भवन में टीपीएफ का 16वां स्थापना दिवस साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में मनाया। इस मौके पर दक्षिण शाखा के अध्यक्ष विक्रम कोठारी, पूर्व शाखा के अध्यक्ष लक्ष्मीपत मालू, एनईसी सदस्य और आईपीपी हितेश गिरिया उपस्थित थे। टीपीएफ सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया और वेस्ट शाखा के अध्यक्ष ललित बेंगानी ने टीपीएफ के उद्देश्यों के बारे में बताया। विक्रमजी कोठारी ने टीपीएफ परामर्श और शिक्षा सहयोग योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। लक्ष्मीपत मालू व हितेश गिरिया ने आध्यात्मिक गतिविधियों के बारे में लोगों को जागरूक किया और लोगों से अपने बच्चों को टीपीएफ से जोड़ने की बात कही।

इसके अलावा हनुमंतनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष गौतम दक ने टीपीएफ द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। महिला मंडल की अध्यक्ष सरोज दुगड़ ने महिला सदस्याओं को टीपीएफ में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। टीपीएफ सेंट्रल शाखा को श्रेणी-डी के तहत सर्वश्रेष्ठ शाखा और टीपीएफ वेस्ट शाखा को श्रेणी-बी के तहत सर्वश्रेष्ठ शाखा के रूप में सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। संयोजक संयुक्त सचिव प्रेशिता आच्छा ने कार्यक्रम का संचालन किया। मोनिका गांधी ने धन्यवाद दिया।

श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज की श्रीराम कथा में शनिवार को सीताराम विवाहोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कथापंडाल सियाराम के जयकारों से गूंज उठा।

पैलेस ग्राउंड पर चल रही रामकथा में धूमधाम से मना सीताराम विवाह, जयकारों से गूंजा पंडाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीराम परिवार दुर्गा पूजा समिति द्वारा शहर के पैलेस ग्राउण्ड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में आयोजित जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज की श्रीराम कथा में शनिवार को सीताराम विवाहोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कथापंडाल सियाराम के जयकारों से गूंज उठा। कथाव्यास जगद्गुरुश्री रामभद्राचार्यजी ने अपनी 1404वीं श्रीराम कथा के छठे दिन सीता स्वयंवर के कथा प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए कहा कि ऋषि विश्वामित्र अयोध्या से चक्रवर्ती महाराज दशरथ के पुत्र श्रीराम और लक्ष्मण को साथ लेकर अपने आश्रम पहुँचते हैं। प्रभु श्री राम मार्ग में ऋषि गौतम की पत्नी अहिल्या का उद्धार करते हैं। ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में होने वाले यज्ञ की रक्षा करते हैं और यज्ञ में विघ्न डालने वाले राक्षसों का संहार करते हैं।

एक दिन राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा लेकर जनकपुर में पुष्प वाटिका में पुष्प लेने जाते हैं, जहाँ जनकनंदिनी सीता अपनी सखियों के साथ गौरी पूजन के लिए आई थीं। जहां जनकनंदिनी सीता को श्रीराम का प्रथम दर्शन होता है। उन्होंने कहा कि राम और लक्ष्मण ऋषि विश्वामित्र के साथ महाराज जनक द्वारा जनकपुर में आयोजित सीता स्वयंवर में जाते हैं।

स्वयंवर में आए राजाओं द्वारा धनुष भंग के प्रयास विफल होने पर निराश होकर ऋषि विश्वामित्र की आज्ञा मिलने पर श्रीराम शिव धनुष को उठाकर उसकी प्रत्यंचा चढ़ाते हैं और महाराज जनक की प्रतिज्ञा पूरी होती है। जनकनंदिनी सीता सहर्ष श्रीराम का वरण करती हैं और पूरा जनकपुर हर्ष में निमग्न हो जाता है। महाराज जनक यह शुभ समाचार देने के लिए अपना दूत अयोध्या भेजते हैं। श्रीराम के विवाह की खबर मिलते ही महाराज दशरथ बारात लेकर जनकपुर पहुँचते हैं।

जनकपुर में श्रीराम के साथ उनके तीनों भाइयों भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का विवाह जनकनंदिनी सीता की बहनों उर्मिला, मांडवी एवं श्रुतिकीर्ति के साथ संपन्न होता है।

इस अवसर पर कथा से पहले कवि एवं मंच संचालक जनार्दन पाण्डेय ने कहा कि समस्त सनातन धर्मावलम्बियों से एकजुट होकर सनातन जनजागरण अभियान से जुड़ने, गौरक्षा एवं धर्म रक्षा तथा राष्ट्रहित में काम करने के लिए अपनी चेतना को जाग्रत रखने का आह्वान किया। रामभद्राचार्यजी के उत्तराधिकारी आचार्य रामचन्द्रदास ने मंगलाचरण करते हुए गुरु चरणों की विरुदावलि की। मिथिलेश तिवारी, संजय शुक्ला, श्री जोगिन्दर सिंह तथा मनोज पंडित ने सपरिवार पादुका पूजा की और मुख्य यजमान जसराज महेन्द्र कुमार वैष्णव के साथ कथा पूजन में भाग लिया।

अक्कीपेट स्थानकवासी नवयुवक मंडल ने दिया कबूतर हॉस्पिटल में अर्थ सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों द्वारा रविवार को सुबह राजाजीनगर स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन कबूतर दाना सेवा समिति द्वारा संचालित कबूतर हॉस्पिटल का दौरा किया गया। इस अवसर पर मंडल के सदस्यों ने अस्पताल की सेवा गतिविधियों, चिकित्सा सुविधाओं एवं संचालन प्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस सेवा भावना से प्रेरित होकर मंडल की ओर से अस्पताल को आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया गया। मंडल के अध्यक्ष कमलेश सालेचा ने बताया कि मंडल का उद्देश्य समाज में सेवा, सद्भाव और जीव मात्र के प्रति संवेदना को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर मंडल के राज लुकड़, पंकज विनायकिया, महावीर भंसाली, हनुमान चोपड़ा, अरविंद कानूंगा, विकास भंसाली उपस्थित थे।

गलत आदतों से मुक्त युवावस्था है जीवन का स्वर्णकाल : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। शहर के आदिनाथ जैन धर्मशाला में पंद्रह वर्ष से बड़ी आयु के अविवाहित युवक-युवतियों के यूथ सेमिनार में मार्गदर्शन देते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि युवावस्था जीवन का स्वर्णिम कालखंड है। सौभाग्य से जीवन को यौवन प्राप्त होता है, लेकिन दृढ़ निष्ठाभावना और अथक पुरुषार्थ से इसका जतन करना होता है। जो व्यक्ति अपनी युवावस्था को व्यर्थ कर देता है, वह अपने अमूल्य जीवन के सुनहरे अवसर को खो देता है। दुराचार, धूम्रपान, शराब, शिकार, मांसाहार, चोरी आदि को जैन साहित्य में दुर्व्यसन कहा गया है। ये व्यसन जिसको भी लग जाते हैं, वे उस व्यक्ति को पूरी तरह निगल जाते हैं। यौवन शक्तियों का महान पुंज होता है, पर उसका व्यसनमुक्त और सदाचारी होना अत्यंत जरूरी होता है। पवित्र युवावस्था किसी चमत्कार से कम नहीं होती। निष्ठासम्पन्न सदाचारी एक युवा हजार वृद्धों से भी अधिक ऊर्जावान और समर्थ होता है। जैनाचार्य ने कहा कि जिन्हें माता-पिता और बड़े-बुजुर्गों की परवाह नहीं होती, जो जिद्द और गुस्से से भरे होते हैं, जो पैसों की कीमत नहीं समझते हैं, झूठ बोलना जिन्हें अच्छा लगता है, जो व्यसनों में आसक्त होते हैं, जिन्हें नाचने-खेलने, घूमने-फिरने, सजने-संवरने में समय व्यर्थ करना अच्छा लगता हैं, ऐसे युवा राष्ट्र, समाज या धर्म का भला नहीं कर सकते। वे स्वयं का भला कर लें तो भी काफी है। जो पूरे दिन मोबाइल पर टिके रहते हैं और इधर-उधर भटकते रहते हैं, वे अपने जीवन में कोई क्रांति नहीं कर सकते।

आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने दुःख जताते हुए कहा, कैसे मान लें कि देश का भविष्य आने वाली युवा पीढ़ी के हाथों में सुरक्षित है? जहां के अधिकांश युवावर्ग को थोड़ी सी मेहनत करना भी बुरा लगता है और दूसरी तरफ देश की पैंतालीस से पैंसठ वर्ष आयु की प्रौढ़ पीढ़ी दिन रात मेहनत करके भी नहीं थकती। जब बड़े-बुजुर्ग जीवन के उत्तरार्द्ध में भी इतना परिश्रम करते हों तो युवा और किशोर वर्ग अपने उदयकाल में ही आलस और परिश्रमहीन क्यों बन रहे हैं?

याद रहे कि पुरुषार्थ से प्रारब्ध का निर्माण होता है। पुरुषार्थहीन का प्रारब्ध सुषुप्त बन जाता है। असफलताओं के कारण हताश होने या जीवन को कोसने के बजाय, सफलताओं के लिए बार-बार प्रयत्न किए जाने चाहिए। कोई हर बार सफल नहीं होता तो कोई हर बार निष्फल भी नहीं होता, यही शाश्वत सत्य है। सेमिनार में सैकड़ों युवक-युवतियों ने संकल्प लिए।इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी और पंन्यास परमयशविजयजी आदि संतगण विशेषरूप से उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष केसरीमल जैन और मंत्री अशोक मोदी ने सभी का स्वागत किया।

अमेरिका में राजनीतिक हिंसा का रहा है पुराना इतिहास, लिंकन समेत कई हस्तियां गवां चुकी हैं जान

वाशिंगटन/एपी

मिनेसोटा में डेमोक्रेटिक पार्टी की एक प्रांतीय सीनेटर और उनके पति की हत्या, तथा एक अन्य जनप्रतिनिधि और उनकी पत्नी के घर पर गोलीबारी अमेरिका में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक हिंसा से जुड़ी कुछ नई घटनाएं हैं।

पिछले दो महीनों में ही वाशिंगटन डीसी में इजराइली दूतावास के दो कर्मचारियों की हत्या की घटना सामने आईं। पहली घटना में इजराइली बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर कोलोराडो में आयोजित एक मार्च पर बमबारी हुई जबकि दूसरी घटना में यहूदी अवकाश के दिन पेंसिल्वेनिया के गवर्नर के आधिकारिक आवास पर बम फेंके गए जब वह और उनका परिवार घर के अंदर थे।

इसी तरह पिछले साल के अंत में न्यूयॉर्क शहर की सड़कों पर एक स्वास्थ्य सेवा अधिकारी की हत्या, पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान पेंसिल्वेनिया में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का प्रयास, दक्षिणपंथी विचारधारा में विश्वास करने वाले एक व्यक्ति द्वारा प्रतिनिधि सभा की पूर्व अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के पति पर 2022 में हुआ हमला भी ऐसी घटनाओं में शामिल है।

जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञानी मैट डैलेक चरमपंथ पर अध्ययन करते हैं। उन्होंने कहा, हम देश में एक डरावने दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहां ऐसा लगता है कि हिंसा को कम करने के लिए कोई नियम नहीं रह गया है।

राजनीति ने बड़े पैमाने पर नरसंहारों को भी बढ़ावा दिया है। 2018 में पिट्सबर्ग में यहूदियों के उपासना स्थल सिनेगॉग में 11 लोगों की हत्या करने वालों, 2019 में एल पासो में एक वॉलमार्ट में 23 दुकानदारों के हत्यारों और 2022 में बफ़ेलो किराना स्टोर में 10 अश्वेत लोगों की जान लेने वाले व्यक्तियों ने इस साजिश की आशंका का हवाला दिया कि यहूदियों का एक गुप्त गिरोह गोरे लोगों की जगह अश्वेत लोगों को लाने की कोशिश कर रहा है।

यह दक्षिणपंथी दलों के उन वर्गों का मुख्य मुद्दा बन गया है जो आव्रजन को सीमित करने के ट्रंप के प्रयास का समर्थन करते हैं।

गैर-लाभकारी संगठन 'एंटी-डिफेमेशन लीग' ने पाया कि 2022 से 2024 तक, अमेरिका में सभी 61 राजनीतिक हत्याएं दक्षिणपंथी चरमपंथियों ने कीं।

आतंकवाद पर शोध करने वाले 'काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस' के 'फेलो' जैकब वेयर ने कहा, आप देख रहे हैं कि सभी अलग-अलग विचारधाराओं के लोग हिंसा में शामिल हो रहे हैं।

अमेरिका में राजनीतिक हिंसा का एक लंबा और भयावह इतिहास है। राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की हत्या, दक्षिण में अश्वेत लोगों को निशाना बनाकर की गईं हत्याएं और 1954 में संसद के अंदर प्यूर्टो रिको के चार राष्ट्रवादियों की गोलीबारी की घटना अमेरिकी इतिहास का हिस्सा हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि पिछले कुछ वर्षों में संभवत: वैसा दौर नहीं देखा गया जैसा 1960 और 1970 के दशक के उथल-पुथल भरे दिनों में देखा गया था जब मार्टिन लूथर किंग, जूनियर, जॉन एफ कैनेडी, मैल्कम एक्स और रॉबर्ट एफ कैनेडी जैसी हस्तियों की हत्या कर दी गई थी।

राजेन्द्र पूनम ग्रुप ने कोरमंगला गौशाला में की गौसेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के राजेन्द्र पूनम ग्रुप के 22 सदस्यों ने कोरमंगला गौशाला में गौ सेवा कार्य किया। इस अवसर पर अधिकांश सदस्यों ने अपने स्तर पर गौ माता की सेवा करने के लिए घास, कबूतरों को मक्की, ज्वार, गेहूं, मूंग एवं विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री लेकर अपने हाथों से खिलाई । राजेन्द्र पूनम ग्रुप के सदस्यों द्वारा हर माह में दूसरे रविवार को गौशाला जाकर गौ माता की सेवा की जाती है। इस अवसर पर माणकमल भंडारी, पृथ्वीराज लुकड़, जुगराज भंडारी, महेंद्र वेदमुथा, दिलीप भंडारी, बाबूलाल कबदी सहित कई लोग उपस्थित थे।

'सरलता, सेवा, त्याग एवं समता की प्रतिमूर्ति थीं साध्वीश्री प्रमिला'

हनुमंतनगर जैन स्थानक में हुई गुणानुवाद सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में रविवार को श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनीश्री प्रमिलाजी के चतुर्थ पुण्य स्मृति दिवस पर सुबह गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें श्रमण संघीय उप प्रवर्तकश्री नरेशमुनि जी, उपप्रवर्तिनी निर्मला जी व कंचन कंवर जी आदि की उपस्थिति में स्मरण दिवस एकासना तप की आराधना के साथ सामायिक दिवस के रूप में तप-त्यागपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर साधु संतों ने महासतीश्री प्रमिला जी का गुणानुवाद करते हुए प्रमिला जी के बहुआयामी व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्हें सरलता, सेवा, त्याग एवं समता की प्रतिमूर्ति बताया। साध्वीश्री प्रमिलाजी के दिव्य तेजस्वी आभामंडल के साथ उनके चेहरे पर सदैव मुस्कान तैरती रहती थी।

उनकी वाणी से ज्ञान का अमृत झरता था। वे अनेक कलाओं में प्रवीण थी। उनकी लेखनी बहुत सुन्दर थी। गुण ग्राहकता उनके जीवन का प्रधान गुण था। आज्ञा में ही धर्म को सर्वोपरि मानते हुए हमेशा साध्वीश्री प्रमिलाजी अपने ज्ञान-ध्यान में रत रहती थी। ऐसी महान आत्मा के गुणों को अपने जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची भावांजलि होगी।

इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस के कर्नाटक के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महासंघ के सहमंत्री किशोर दलाल सहित राजाजीनगर संघ के अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया, ज्येष्ठ गुरु पुष्कर समिति के मंत्री महावीर मेहता, प्रमिला जैन आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। हनुमंतनगर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने सबका आभार व्यक्त किया । संघ के मंत्री सुरेश धोका ने संचालन किया।

दुनिया भर में 27.2 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक स्तर पर स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या अब 27.2 करोड़ होने का अनुमान है, जो पिछले अनुमान से 2.1 करोड़ अधिक है। यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम (जीईएम) ने यह जानकारी दी। जीईएम ने अपनी हालिया रिपोर्ट में आशंका जतायी है कि 2025 के अंत तक देश अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों से पिछड़ सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''इस वृद्धि के दो कारण हैं। पहला, नए नामांकन और उपस्थिति के आंकड़ों में कमी। 2021 में अफगानिस्तान में माध्यमिक विद्यालय में लड़कियों के जाने पर प्रतिबंध भी इस वृद्धि में योगदान देता है।'' इसमें कहा गया, ''स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि का दूसरा कारण संयुक्त राष्ट्र के अद्यतन जनसंख्या अनुमान में बढ़ोत्तरी है जिससे ऐसे बच्चों की संख्या 1.3 करोड़ बढ़ गई।''

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि संघर्षों के कारण स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या को संभवत: कम करके आंका गया हो क्योंकि संघर्षों के कारण आंकड़े एकत्र करने में बाधा उत्पन्न होती है।

कुल मिलाकर, प्राथमिक विद्यालय जाने योग्य आयु वर्ग के लगभग 11 प्रतिशत बच्चे (7.8 करोड़), निम्न माध्यमिक विद्यालय जाने योग्य आयु वर्ग के 15 प्रतिशत बच्चे (6.4 करोड़) तथा उच्च माध्यमिक विद्यालय जाने योग्य आयु वर्ग के 31 प्रतिशत किशोर (13 करोड़) स्कूल नहीं जा पा रहे हैं।

कोलकाता में रविवार को एक सामाजिक कार्यकर्ता संघ के सदस्य एयर इंडिया की उड़ान के पीड़ितों की याद में प्रार्थना सभा आयोजित की गई।

केरल सरकार ने छात्राओं को 'दंडित' करने के लिए स्कूल शिक्षिका को नोटिस जारी किया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सामान्य शिक्षा विभाग ने छात्राओं को कक्षा में बंद करने और सजा के तौर पर उनके कान पकड़कर उठक-बैठक करने के लिए मजबूर करने के आरोप में एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस कॉटनहिल स्थित राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की एक संकाय सदस्य को जारी किया गया है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, छात्राओं को कथित तौर पर पिछले सप्ताह राष्ट्रगान के दौरान कक्षा से बाहर चले जाने के कारण दंडित किया गया था।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को लेह, लद्दाख में स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों द्वारा एक प्रदर्शनी का दौरा करती हुई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com